नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 32 | नोएडा, रविवार, 1 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

‘सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।’



95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी आपकी जाति

यूपी और पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरों की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और



हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं।

इन राज्यों में जनवरी-फरवरी में जनगणना नहीं

मणिपुर में जातीय हिंसा की वजह से हालात अभी सामान्य नहीं है। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नौर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है। गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी हुआ है।

आशुतोष दीक्षित ने संभाला ‘वायु सेना प्रमुख’ का कार्यभार

तीन प्रमुख सैन्य ऑपरेशनों में दिखा चुके हैं अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया है, जो देश की 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आशुतोष दीक्षित का पिछले 40 वर्षों में दमदार करियर रहा है। तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में दमदार भूमिका निभाने के साथ आशुतोष दीक्षित को अलग-अलग तरह के विमानों को उड़ाने का 3300 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह वायु सेना के अधिकारियों के बीच समन्वय बनाने के लिए जाने जाते हैं।



तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में निभा चुके अपनी भूमिका

कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर में अहम भूमिका निभा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन रक्षक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरियाणा और आंध्र में दिल दहलाने वाली वारदात

पंचकूला में केजी की बच्ची के सिर पर 12 बार ईंट मारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला के एक प्रसिद्ध स्कूल में केजी की छात्रा पर तीसरी कक्षा के छात्र ने बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र ने बच्ची का सिर पहले बेंच पर मारा, फिर 19 बार पैर से उसके चेहरे पर लात-घूसों से वार किया। उसके बाल पकड़कर घसीटा। बाद में ईंट से 12 बार बच्ची के सिर पर हमला किया। 96 सेकेंड तक लगातार बच्ची को बेरहमी से पीटे जाने की घटना क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज देखकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी कहा इसे पूरा देखना भी मुश्किल है। उन्होंने मामले की जांच के लिए कमेटी



गठित करने को कहा है। घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब ऑटो ड्राइवर बच्ची को लेने स्कूल पहुंचा, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद परिजन तुरंत स्कूल पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर काटने वाली आरी से हमला

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है।

संक्षिप्त समाचार

पटना स्नातक चुनाव में दिखा निशांत कुमार का दम!

जेडीयू में उभरा नया नेतृत्व, पार्टी के लिए साबित हुए ‘ट्रम्प कार्ड’

पटना (एजेंसी)। बिहार में आठ सीटों के लिए संपन्न एमएलसी चुनाव के परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए हों, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के पुत्र और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार इस चुनाव के दौरान जिस लिटमस टेस्ट में शामिल हुए, उसमें उन्हें कमोबेश सफलता तो



मिल गई। खास कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को जिस तरह से जदयू के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना डाला वो एक चुनौती तो थी। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव पर जब जनता दल यू की गुटबाजी की छाया पड़ गई तो प्रथम दृष्टि में लगा कि ये सीट कहीं गुटबाजी की भेंट न चढ़ जाए। ठीक ऐसे समय में निशांत कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी ली। पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद लिया और पहली चुनावी यात्रा नालंदा, नवादा से शुरू की थी। साथ में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को लेकर जन संपर्क स्थापित किया।

यूपी में भाजपा ने क्या किया, ये घर-घर पहुंचकर बताएंगे

विनोद तावड़े बोले-हैट्रिक जरूरी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हुआ रोडमैप

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले घर-घर पहुंचेगी। 2017 के बाद यूपी कैसे बदल गई। अपराध कैसे कम हुए, डेवलपमेंट कितना हुआ, ये लोगों को बताया जाएगा। इंस्टाग्राम पर भी भाजपा कार्यकर्ता क्षेत्र में हुए कामों के वीडियो बनाकर पोस्ट करेंगे। ये फैसला प्रदेश पदाधिकारियों के



साथ प्रांतीय कार्यालय में हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा- गृहमंत्री अमित शाह ने जो रास्ता दिखाया है, सभी कार्यकर्ताओं को उस दिशा में पूरी शिद्दत से काम करना है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा- लखनऊ में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में देश के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिला। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अंगद का पांव बन चुकी है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले ‘पंजाब’ के चुनाव पर मंथन

दिल्ली में कांग्रेस की हाई-लेवल मीटिंग, दिग्गज नेता जुटे!



नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता के गलियारों में सियासी गर्मी बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ बीजेपी और कांग्रेस पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं सूबे के सीएम भगवंत मान जोरदार पलटवार करते नजर आ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे से पहले हाई लेवल मीटिंग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीटिंग की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब एक निर्णायक बदलाव और एक नई, परिवर्तनकारी शुरुआत के लिए तरस रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आम आदमी पार्टी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

पंजाब की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी कांग्रेस

उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मान-सम्मान और गौरव को बहाल करने, इसके भविष्य को सुरक्षित करने, और राज्य में शांति, समृद्धि व प्रगति का एक नया दौर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बैठक में कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत प्रदेश इकाई के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इजराइल के आम चुनाव की होगी जांच

खुफिया एजेंसी मोसाद को मिला जांच का जिम्मा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में



विदेशी दखल का है आरोप नतीजों पर असर नहीं

आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर में उमर के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

4 दिन पहले बने चार मंत्रियों, सीएम के सलाहकार को हटाने की मांग



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

यूपी में बुलेट ट्रेन चलेगी 3.30 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी

काशी में रेलमंत्री का ऐलान, पीएम ने दी कॉरिडोर को मंजूरी

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी में बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू होगा। दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। यह बात रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताई। रेलमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने इसके नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक



जाएगी। कॉरिडोर के बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का 1 घंटे 45 मिनट और लखनऊ का 2 घंटे 12 मिनट में पूरा होगा।

फर्स्ट एसी में शॉवर, विमान जैसी सुविधाओं का अनुभव

ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं दी गई हैं। यहां बर्थ और केबिन का इंटीरियर ज्यादा लग्जरी रखा गया है। फर्स्ट एसी के बाथरूम में शॉवर की सुविधा भी मिलेगी। सभी कोच में इंडियन और वेस्टर्न स्टाइल के बायो टॉयलेट लगाए गए हैं। यात्रियों को सफर के दौरान साफ-सफाई और आराम का बेहतर अनुभव देने की कोशिश की गई है। इस ट्रेन की सबसे खास व्यवस्था यह है कि इसमें पारंपरिक ट्रेनों की तरह एसी और वेटिंग टिकट की सुविधा नहीं होगी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर सकेंगे। इससे कोच में निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ नहीं होगी। यात्रियों को अपनी बर्थ पर आराम से सोने और सामान रखने की सुविधा मिलेगी।

काशी को दो नई मेमू ट्रेनों की भी सौगात

वंदे भारत स्लीपर के साथ वाराणसी क्षेत्र को दो नई रेल सेवाओं की भी सौगात मिलेगी। वाराणसी सिटी से राजातालाब के बीच चार जोड़ी मेमू ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों में 12 कोच होंगे। रास्ते में वाराणसी जंक्शन, बनारस, भुलनपुर और हरदतपुर स्टेशन पर ठहराव होगा। इससे दैनिक यात्रियों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच मेमू सेवा को आगे बढ़ाने की योजना है। इससे दोनों धार्मिक और शैक्षिक शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इन नई सेवाओं से काशी की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ स्थानीय यात्रियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध

विपक्षी नेता बोले-देश की जमीन भारत को नहीं देंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रांजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल



करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है। नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

नाहिद इस्लाम की रैली में भारत विरोधी नारे भी लगे

नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए।

होर्मुज में हमले का नया तरीका, जहाज पर चिपकाया बम

धमाके से इंजन रूम जला, 27 भारतीय मौजूद थे, सभी सुरक्षित

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज में गुरुवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर के पास एक छोटी नाव पहुंची थी। नाव से आए लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से (हुल) पर दो लिम्पेट माइंस चिपका दीं और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। इसकी वजह से जहाज का इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया और जहाज को सुरक्षित कर लिया। हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी



पुष्टि नहीं हुई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई है।

एक दिन में दो तेल टैंकरों पर हमला

29 अक्टूबर को लाइबेरिया के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी अरजानाह पर भी हमला हुआ था। इस जहाज पर दो भारतीय नागरिक सवार थे। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के मुताबिक, दोनों भारतीय सुरक्षित हैं। इस तरह एक ही दिन में होर्मुज के आसपास दो तेल टैंकरों पर हमले हुए। दोनों जहाजों पर कुल 29 भारतीय नाविक सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से 30 अक्टूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमला हुआ।

ऑपरेशन शुद्ध प्रहारः उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 10 दिन में 569 गिरफ्तार, हथियार-नशीले पदार्थ बरामद

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से दिल्ली के पूर्वोत्तर जिला पुलिस ने 20 से 29 अक्टूबर तक ऑपरेशन शुद्ध प्रहार चलाया। दस दिनों तक चले इस विशेष अभियान में विभिन्न आपराधिक मामलों में 569 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, मादक पदार्थ, शराब, चोरी का सामान और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद की गईं। पुलिस के मुताबिक, अभियान के दौरान जिले के सभी थानों और विशेष इकाइयों ने समन्वित कार्रवाई करते हुए अपराधियों, बदमाशों, आदतन अपराधियों, अवैध शराब कारोबारियों, नशा तस्करों, जुआरियों और अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। अभियान के दौरान हत्या के मामलों में छह और हत्या के प्रयास के मामलों में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं लूट के मामलों में आठ और झपटमारी के मामलों में सात लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने लूट और झपटमारी से जुड़े मामलों में मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और अन्य सामान भी बरामद किया। पुलिस ने 15 अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। चोरी और सेंधमारी से जुड़े मामलों में 184 लोगों को पकड़ा गया, जिनके कब्जे से सोने की चेन, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की गईं। शस्त्र अधिनियम के तहत 48 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से एक देसी पिस्तौल, एक कारतूस और 46 चाकू बरामद किए गए। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत 24 लोगों को गिरफ्तार कर 1,547 क्वार्टर देसी शराब, 13 क्वार्टर आईएमएफएल और नकदी जब्त की गई।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सशक्त बनाने पर विजेंद्र गुप्ता ने दिया जोर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उन परिवारों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी को सशक्त बनाने की शुरुआत जमीनी स्तर पर कार्यरत महिलाओं को सशक्त करने से होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उन परिवारों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं। उनके योगदान को केवल शब्दों में स्वीकार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा सार्थक सहयोग प्रदान करना आवश्यक है, जिससे उनकी दैनिक जिम्मेदारियां आसान हो सकें। यह बातें विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी के सेक्टर-8 स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। यह कार्यक्रम 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके क्षेत्रीय कार्यों एवं दैनिक जिम्मेदारियों को सुगम बनाने के लिए बैग और आवश्यक किट वितरित की गई। 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों को आवश्यक पोषण एवं कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये अग्रिम पंक्ति की कार्यकर्ता गर्भवती



पोषण, प्रारंभिक बाल विकास और परिवार कल्याण के सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक महिलाओं, छोटे बच्चों और पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए संपर्क का पहला माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड किट वितरण का उद्देश्य विशेष रूप से घर-घर जाकर किए जाने वाले संपर्क, सामुदायिक पहुंच और जागरूकता अभियानों सहित उनके दैनिक कार्यों को सुगम बनाना तथा सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना है। विजेंद्र गुप्ता ने आंगनवाड़ी केंद्रों को सामुदायिक सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी के संस्थानों के रूप में सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में पोषण और विकास एक स्वस्थ एवं अधिक उत्पादक समाज की नींव रखते हैं। पोषण संबंधी लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त करने के लिए अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, परिवारों और स्थानीय समुदायों के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पर्याप्त संसाधन और संस्थागत सहयोग प्रदान करना कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच एवं प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

एकता दिवस पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन, युवाओं ने दिया एकता और नशामुक्ति का संदेश

मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का अखंड भारत का संकल्प आज भी प्रत्येक पीढ़ी को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल वसंत कुंज नई दिल्ली में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस एकता दौड़ में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। इस अवसर पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि यह दौड़ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित किया। यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक संदेश और प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल एक ऐसे आदर्श व्यक्तित्व



हैं, जो हमें देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। यही कारण है कि इस दौड़ का विशेष महत्व है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का अखंड भारत का संकल्प आज भी प्रत्येक पीढ़ी को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। युवा पीढ़ी की ऊर्जा, अनुशासन और सकारात्मक सहभागिता एक सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है।इस अवसर पर समाज कल्याण के व्यापक उद्देश्यों के संदर्भ में युवाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक कल्याण के महत्व को भी रेखांकित किया गया। नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाना न केवल युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है, बल्कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' का संदेश इसी दिशा में युवाओं को जागरूक और प्रेरित करने का प्रयास है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने और राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

2029 में फिर गूंजेगी पीएम मोदी की शपथ – आचार्य प्रमोद कृष्णम

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को मौजूदा राजनीति की तुलना महाभारत से करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'अर्जुन' हैं और वे सभी चक्रव्यूहों को तोड़ देंगे। उन्होंने दावा किया कि 2029 में प्रधानमंत्री के रूप में उनके चौथे कार्यकाल के लिए होने वाला शपथ ग्रहण समारोह पूरे देश में गूंजेगा। मीडिया से ??बात करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा कौरव कुल और कौरव गुट एक साथ आ रहा है। सभी कौरव एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला कर रहे हैं और उन्हें अभिमन्यु समझ रहे हैं। विपक्ष में इकट्ठा हुए इन सभी कौरवों, सभी महान योद्धाओं और पूरे कौरव कुल को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभिमन्यु नहीं हैं, वे अर्जुन हैं। प्रधानमंत्री मोदी सभी चक्रव्यूहों को तोड़ देंगे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा प्रधानमंत्री मोदी सभी चक्रव्यूहों को तोड़ देंगे और 2029 में यह शपथ गूंजेगी, 'मैं, नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में चौथी बार शपथ लेता हूं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी निशाना साधा और कहा कि वे अब तरस खाने लायक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे अब तरस खाने लायक हो गए हैं। उनमें अब कोई चिंगारी नहीं बची है। एक इस्तेमाल हो चुका कारतूस और बुझी हुई राख कभी धमाका नहीं कर सकती।

उनकी यह टिप्पणी पटना में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर खड़गे की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर मचे राजनीतिक हंगामे के बीच आई है। इस हंगामे के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी पार्टी अध्यक्ष के बचाव में उतरे और इस विवाद को 'राई का पहाड़ बनाने' की कोशिश करार दिया।

मुख्यमंत्री ने नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का किया उद्घाटन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का उद्घाटन किया। यहां बच्चों के लिए झूले, टहलने के लिए फुटपाथ और बैठने के लिए बेंच जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हिए कहा कि वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित रही बस्तियों तक विकास और जनसुविधाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हर मोहल्ले में सकारात्मक बदलाव आए और हर परिवार को बेहतर जीवन का अवसर मिले, यही सरकार का



प्रयास है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आज पीतमपुरा स्थित जीपी सेवा बस्ती में जन सुविधा परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर में स्वच्छ शौचालय एवं स्नानगृह की सुविधा से स्थानीय निवासियों को सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निगम पार्षद अनिल नागपाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया उद्घाटन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शुभारंभ किया। उन्होंने हैदरपुर के नेहरू कैंप में दो नवनिर्मित शिशु वाटिकाओं, पीतमपुरा की जीपी ब्लॉक की सेवा बस्ती में नवनिर्मित जन सुविधा परिसर और शालीमार बाग स्थित एओ ब्लॉक की सेवा बस्ती में नवीनीकृत जन सुविधा परिसर का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने कस्तूरबा गांधी पॉलिटेक्निक, पीतमपुरा में अर्पण केंद्र का शुभारंभ भी किया।



मुख्यमंत्री ने नेहरू कैंप स्थित दो शिशु वाटिकाओं उद्घाटन करते हुए कहा कि इन दोनों वाटिकाओं में मिट्टी भराई, घास एवं पौधारोपण, फुटपाथ निर्माण, बच्चों के लिए झूले, नए बेंच, ग्रिल और गेट पर पेंटिंग, पौधों की सिंचाई के लिए बोरवेल तथा बेहतर लाइट व्यवस्था जैसे कार्य किए गए हैं। इन वाटिकाओं के विकसित होने से क्षेत्र के बच्चों को खेलने-कूदने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा स्थित जीपी ब्लॉक की सेवा बस्ती में जन सुविधा परिसर का उद्घाटन करते हुए बताया कि इस परिसर में कुल 40 शौचालय बनाए गए हैं, जिनमें 19 महिलाओं और 21 पुरुषों के लिए हैं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के लिए छह और पुरुषों के लिए तीन स्नानघर भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस परिसर के निर्माण से स्थानीय निवासियों को स्वच्छता और दैनिक आवश्यकताओं से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने शालीमार बाग की एओ ब्लॉक की सेवा बस्ती में भी 49 सीटों वाले जन सुविधा परिसर को भी जनता को समर्पित किया। इस परिसर में महिलाओं के लिए 22 और पुरुषों के लिए 27 शौचालय हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए चार तथा पुरुषों के लिए तीन स्नानघर की सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा स्थित कस्तूरबा गांधी पॉलिटेक्निक में अर्पण केंद्र का भी शुभारंभ करते हुए कहा कि इस केंद्र के माध्यम से पुराने और प्रयोग में न आ रहे कपड़ों को नया जीवन देना, टेक्सटाइल वेस्ट (कपड़े का कचरा) कम करना और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का विकास केवल बड़ी परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक विकास तब दिखाई देता है जब आम नागरिक को अपने आसपास बेहतर सड़कें, स्वच्छ वातावरण, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित पार्क और आधुनिक जन सुविधाएं मिलती हैं।

तेजी से बदलते भारत की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लोक प्रशासन को बेहतर होना चाहिए : राधाकृष्णन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि असरदार लोक प्रशासन के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जिला-स्तर प्रशासन के बीच बिना रुकावट के तालमेल होना जरूरी है। राधाकृष्णन ने गुरुवार को दिल्ली में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए) की 72वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए 'विकसित भारत 2047' के



सपने को साकार करने के लिए लोक प्रशासन में व्यापक सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेजी से बदलते भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रशासनिक ढांचे को नई सच्चाइयों के अनुरूप ढालना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा, शासन का आखिरी मकसद यह पक्का करना होना चाहिए कि आर्थिक तरक्की हर नागरिक के लिए इज़्ज़त, सुरक्षा और बेहतर मौकों में बदले। शासन तभी अच्छे नतीजे दे सकता है जब प्रशासन के अलग-अलग लेवल एक जैसे दृष्टिकोण और एक जैसे मकसद के साथ मिलकर काम करें। अच्छे शासन को सिर्फ़ आर्थिक विकास से नहीं बल्कि लोगों की खुशी, जीवन स्तर और पूरी भलाई पर इसके असर से भी मापा जाना चाहिए। वर्तमान समय में शासन से अधिक तेज, नागरिक-केंद्रित, तकनीक-आधारित और डेटा-संचालित होने की उम्मीद की जा रही है। अच्छे प्रशासन का पैमाना केवल आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि लोगों की खुशी और उनके जीवन स्तर में सुधार भी इसका अहम हिस्सा शासन तभी सफल हो सकता है जब केंद्र, राज्य और जिला प्रशासन एक समान विजन के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ से ज़्यादा लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। जो सबको साथ लेकर चलने वाले विकास और बेहतर जीवन स्तर की लगातार कोशिशों का असर दिखाती है।

आध्यात्मिक जागरण और राष्ट्र निर्माण में गायत्री परिवार का योगदान अमूल्यः ओम बिरला

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शताब्दी समारोह 2026 के अवसर पर आध्यात्मिक विभूतियों आचार्य श्रीराम शर्मा और माता भगवती देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि गायत्री परिवार का यह शताब्दी समारोह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि एक ऐसी सृजनात्मक क्रांति का उत्सव है, जिसने देशभर में असंख्य लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है।ओम बिरला ने आज दिल्ली में गायत्री परिवार की ओर से आयोजित शताब्दी समारोह के



दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र की आध्यात्मिक चेतना के जागरण, सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में आचार्य श्रीराम शर्मा और माता भगवती देवी के अमूल्य योगदान का स्मरण किया। बिरला ने कहा, ' आचार्य ने अखंड ज्योति के माध्यम से देशभर में आध्यात्मिक चेतना का प्रकाश फैलाया और व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण के आदर्शों से लोगों को प्रेरित किया। उनका प्रेरणादायी संकल्प, 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा' देश और दुनिया के लोगों के लिए एक मूल मंत्र बन गया। गायत्री मंत्र और यज्ञ के माध्यम से आचार्य ने लोगों को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ा तथा अंतर्मन की शुद्धता और आत्मिक जागरण का मार्ग प्रशस्त किया।

सरदार पटेल की जयंती: संविधान सदन में श्रद्धांजलि, लोस अध्यक्ष ने कहा- निर्णायक नेतृत्व का अनुपम उदाहरण

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, जे.पी. नड्डा, किरेन रिजिजू, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, राज्यसभा सांसद नितिन नवीन और सोनिया गांधी सहित संसद सदस्य, पूर्व सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।



लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह तथा राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी और लोकसभा एवं राज्यसभा सचिवालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गणमान्य व्यक्तियों के साथ सरदार पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लें तथा अपनी क्षमताओं, नवाचार और सामूहिक प्रयासों को भारत की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने और विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित करें।

दिल्ली अग्निशमन सेवा में 2345 नए पद स्वीकृत

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में अलग-अलग श्रेणियों के 2,345 नए पद सृजित किए जाएंगे। वर्ष 1942 में विभाग की स्थापना के बाद 84 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर पर पदों का सृजन किया जा रहा है। इस फैसले के बाद विभाग में स्वीकृत पदों की संख्या 3,096 से बढ़कर 5,441 हो जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा और लोगों की जान बचाने के लिए अग्निशमन सेवा को बढ़ती जरूरतों के अनुसार मजबूत बनाना जरूरी है।इसके तहत उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी, मंडल अधिकारी, सहायक मंडल अधिकारी, स्टेशन अधिकारी, उप अधिकारी, अग्रणी अग्निशामक, अग्नि ऑपरेटर, चपरासी, माली के पदों का विस्तार किया जाएगा।

इससे विभाग के वरिष्ठ पर्यवेक्षण स्तर से लेकर जमीनी स्तर पर अग्निशमन और बचाव कार्यों में तैनात कर्मचारियों की उपलब्धता बढ़ेगी। साथ ही विभागीय ढांचे को अधिक सुव्यवस्थित बनाने, विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन करने और आपात स्थितियों में कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक बयान में कहा कि राजधानी की तेजी से बढ़ती आबादी, विस्तारित शहरी क्षेत्र, घनी बस्तियां, बहुमंजिला इमारतें, औद्योगिक प्रतिष्ठान और जटिल बुनियादी ढांचा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। आग लगने या किसी अन्य आपदा की स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में पर्याप्त प्रशिक्षित मानव संसाधन, मजबूत नेतृत्व व्यवस्था और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता ही लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे तेजी से विकसित हो रहे महानगर में अग्निशमन सेवा की भूमिका केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं है। आग की घटनाओं के अलावा विभिन्न दुर्घटनाओं, आपातकालीन परिस्थितियों और बचाव अभियानों में भी इसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। ऐसे में विभाग में पर्याप्त मानव संसाधन और प्रत्येक स्तर पर मजबूत कमान व्यवस्था होना आवश्यक है। विभाग में 2,345 अतिरिक्त पदों का सृजन केवल कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का निर्णय नहीं, बल्कि दिल्ली की जनसुरक्षा, संस्थागत क्षमता और भविष्य की आवश्यकताओं में किया गया महत्वपूर्ण निवेश है।

मौलाना मदनी का हमला: हमें दोयम दर्जे का नागरिक बनाने वाले देश के दुश्मन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। । जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि जो लोग मुसलमानों को उनके अपने ही देश में पराया और दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की साजिश कर रहे हैं, वे वास्तव में देश के दुश्मन हैं। मुसलमान इस देश में किसी की दया या किसी सांप्रदायिक समूह के एहसान के कारण नहीं रह रहे हैं, बल्कि इस देश की आजादी में उनके पूर्वजों की महान कुर्बानियां शामिल हैं। उनकी कब्रें आज भी इस धरती की गोद में उस ऐतिहासिक सच्चाई की गवाही दे रही हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमने इस देश को आजाद कराने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया है।

संक्षिप्त समाचार

छठ पर्व की तैयारी के लिए निगम अधिकारियों की ड्यूटी लगाई

अनप्लग इंडिया

गाजियाबाद। नगर आयुक्त ने छठ पर्व की तैयारी के लिए निगम अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। उन्होंने शुक्रवार को छठ पर्व की तैयारी के लिए पुरबिया जनकल्याण परिषद और अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक की। लोगों ने बेहतर व्यवस्था कराए जाने के सुझाव भी दिए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पूर्वांचल समाज की समितियों के सदस्यों से बैठक की।

छठ पर्व की तैयारियों पर बैठक

के साथ बनाया जाएगा। नगर आयुक्त ने पूर्वांचल समाज की समितियां के सदस्यों से सुझाव भी मांगे। पुरबिया जन कल्याण परिषद से रीता सिंह, राकेश तिवारी, जय दीक्षित और मनोज ने आकर्षक लाइटों से सभी घाटों को सुसज्जित करने का सुझाव दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि हिंडन नदी छठ घाट के अलावा 75 से अधिक घाट निगम की तरफ से व्यवस्थित किए जा रहे हैं। प्रकाश, जल और साफ सफाई की व्यवस्था पर काम कराया जाएगा। इस बार भी आकर्षक लेजर लाइट शो कराया जाएगा। इसके अलावा अन्य सभी घाटों पर आकर्षक लाइट लगाई जाएंगी।

घाटों की सफाई और व्यवस्था की जिम्मेदारी

नगर आयुक्त ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश को विशेष रूप से छठ घाटों और मार्गों की सफाई व्यवस्था बेहतर करने के लिए कहा। वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी भी छठ घाटों पर लगाई। सभी जोनल प्रभारी अपने जोन में छठ घाटों की व्यवस्था देखेंगे।

सड़ी हुई रबड़ी खाने से हुई उल्टी, वीडियो वायरल

अनप्लग इंडिया

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम स्थित एक मिठाई की दुकान से सड़ी हुई रबड़ी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खाने वाले को उल्टी हो गई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कर्मचारी आरोपों को मानते हुए दूसरी रबड़ी देने की बात कह रहे हैं। हालांकि हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वायरल वीडियो इंदिरापुरम में काला पत्थर रोड स्थित एक नामी कंपनी की मिठाई की दुकान का बताया जा रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति दुकान पर पहुंचकर पूछता है कि रबड़ी किसने दी। वह रबड़ी का गिलास कर्मचारी को देते हुए कहते हैं कि कौन खा रहा है इसे। बीमार करने को दे रहे हो। कर्मचारी बोला बदल देता हूं, इस पर ग्राहक नाराजगी जताते हैं। कर्मचारी कहता है कि गलती हो गई। इसे साइड में रखा था। वीडियो को लेकर इंदिरापुरम निवासी सुमित ने बताया कि प्रॉपर्टी कारोबारी उनके दोस्त अंकित ने शुक्रवार दोपहर रबड़ी और जलेबी ऑनलाइन ऑर्डर की थीं। उनके ऑफिस पर रबड़ी और जलेबी पहुंचीं। रबड़ी खाते ही अंकित की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी हो गई। बाद में देखा कि रबड़ी सड़ी हुई है। आरोप है कि दुकान से सड़ी हुई रबड़ी ऑनलाइन ऑर्डर करने वालों को दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में जिलाधिकारी और एफएसएसआई को ईमेल के जरिए शिकायत की गई है।

डंपर की चपेट में आने से महिला की मौत, परिजनों ने लगाया जाम; बच्चों को स्कूल से लेने जा रही थी मंजू

अनप्लग इंडिया

गाजियाबाद। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह डंपर की चपेट में आने से 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला अपने बच्चों को स्कूल से लेने जा रही थी। हादसे के बाद डंपर का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों



को समझाकर जाम खुलवाया। पंचलोक गांव निवासी मंजू (28) पत्नी अनिल शनिवार सुबह करीब 10:45 बजे अपने बच्चों को स्कूल से लेने जा रही थीं। वह अगरौला गेट के पास पंचलोक मेन रोड पर पहुंचीं, तभी बागपत की तरफ से दिल्ली जाने वाले अंडरपास मार्ग पर हरियाणा नंबर के डंपर की चपेट में आ गईं। डंपर के पहिए के नीचे आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सड़क पर जाम लगाकर विरोध जताया। सूचना पर ट्रोनिका सिटी पुलिस पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। करीब 11 बजे लगा जाम दोपहर 12:24 बजे खुलवाया जा सका।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि परिजनों से तहरीर लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बालकनी में लगी आग, हादसा टला, जनहानि नहीं; सुपरटेक इको विलेज वन सोसायटी के टावर-16 की घटना



अनप्लग इंडिया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज वन सोसायटी में देर रात एक फ्लैट की बालकनी आग लग गई। बताया जा रहा है कि पटाखा गिरने से बालकनी में रखे सामान ने आग पकड़ ली। आग की लपटें देखकर सोसायटी में अफरातफरी मच गई। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।जानकारी के अनुसार, घटना सोसायटी के टावर-16 की है। देर रात एक फ्लैट की बालकनी में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम को जानकारी दी गई। सूचना के बाद फायर सर्विस यूनिट मौके के लिए रवाना हुई। बालकनी में रखे कूड़े में आग लगी थी, आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है, कोई फंसा नहीं है, कोई जनहानि नहीं है।

JSS यूनिवर्सिटी और TalenciaGlobal के बीच समझौता, AI और नई तकनीकों में विद्यार्थियों को मिलेगा इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण

अनप्लग इंडिया

नोएडा। उच्च शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में जेएसएस यूनिवर्सिटी, नोएडा ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय और Tranzv Talenciaglobal Private Limited के बीच 31 अक्टूबर 2026 को लेटर ऑफ इंटेंट (रूपढ़ु) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करना, उनके कौशल का विकास करना और शैक्षणिक शिक्षा को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना है। इस प्रस्तावित साझेदारी के तहत दोनों संस्थान प्रतिभा पहचान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, उभरती तकनीकों, उद्योग आधारित प्रशिक्षण, मेंटरशिप, इंटर्नशिप, अनुसंधान, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर काम करेंगे।

दोनों संस्थानों का मानना है कि वर्तमान समय में केवल पारंपरिक शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ समस्या समाधान की क्षमता, व्यावहारिक अनुभव और उद्यमशील सोच से भी लैस करना जरूरी है, ताकि वे बदलते



रोजगार बाजार और उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप अपनी जगह बना सकें।

AI और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में कौशल विकास पर जोर

इस सहयोग के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और उभरती तकनीकों को प्रमुख क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की संभावनाएं तलाश की जाएंगी।

इसके साथ ही Talent DNA Mapping के माध्यम से विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं, प्रतिभा और कौशल की पहचान करने पर भी जोर रहेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की रुचि और योग्यता के अनुरूप उनके विकास के अवसर तैयार करना है।

प्रस्तावित सहयोग में उद्योग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी महत्व दिया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अकादमिक पढ़ाई के साथ वास्तविक कार्यक्षेत्र की जरूरतों और चुनौतियों को समझने का अवसर मिल सकता है।

इंटर्नशिप और मेंटरशिप से मिलेगा व्यावहारिक अनुभव

JSS यूनिवर्सिटी और TalenciaGlobal के बीच प्रस्तावित सहयोग का एक प्रमुख हिस्सा विद्यार्थियों के लिए मेंटरशिप और इंटर्नशिप के अवसर तलाशना है। इसके तहत विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सीखने और उद्योग के कामकाज को करीब से समझने के अवसर उपलब्ध कराने की योजना है।

दोनों संस्थान ऐसे संरचित कार्यक्रम विकसित करने की संभावनाओं पर भी काम करेंगे, जिनसे विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कार्यक्षमता के बीच की दूरी कम की जा सके।

इसके अलावा रिसर्च और प्रोडक्ट डेवलपमेंट को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दिया जाएगा। विद्यार्थियों को केवल तकनीक का अध्ययन करने तक सीमित रखने के बजाय नए विचारों को विकसित करने, समस्याओं के समाधान तलाशने और उपयोगी उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में सहयोग किया जाएगा।

स्टार्टअप और उद्यमिता को भी मिलेगा प्रोत्साहन

इस साझेदारी में स्टार्टअप गतिविधियों और उद्यमिता विकास को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। दोनों संस्थान विद्यार्थियों के नए व्यावसायिक विचारों, नवाचार आधारित परियोजनाओं और उद्यमशील क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के अवसर तलाशेंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रमों में बहुविषयक शिक्षा और नवाचार आधारित परियोजनाओं को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य अलग-अलग शैक्षणिक विषयों के ज्ञान को एक साथ जोड़कर नए समाधान विकसित करने की क्षमता पैदा करना है।

इससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ व्यावसायिक सोच विकसित करने और भविष्य में अपना स्टार्टअप शुरू करने की दिशा में भी मार्गदर्शन मिल सकता है।

फैकल्टी डेवलपमेंट पर भी रहेगा ध्यान

इस सहयोग का दायरा केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों और फैकल्टी के विकास को भी संभावित सहयोग के क्षेत्र में शामिल किया गया है। उद्योग जगत में हो रहे तकनीकी बदलावों और नई कार्यप्रणालियों से शिक्षकों को परिचित कराने के अवसर तलाशे जाएंगे। इससे शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों और उद्योग की मौजूदा जरूरतों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में मदद मिल सकती है। दोनों संस्थानों के बीच यह लेटर ऑफ इंटेंट पहले से जारी संवाद और सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। इसका विशेष उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करना, उन्हें सही मार्गदर्शन देना और उनकी क्षमताओं को विकसित करना है।

आंगनवाड़ी यूनियन का प्रदर्शन जारी, हेडक्वार्टर से पांच सदस्यीय टीम पहुंची

अनप्लग इंडिया

नूंह : आंगनवाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन का प्रदर्शन शुक्रवार को भी लगातार जारी रहा। गुरुवार से सिटू यूनियन लगातार विभाग के खिलाफ अपना प्रदर्शन कर रही है। यूनियन पदाधिकारी का कहना है कि जब तक उनके अकाउंट में पेमेंट नहीं डाली जाती तब तक वह इसी तरह अपने प्रदर्शन को जारी रखेंगे। उनका कहना है कि 5 नवंबर तक का समय दिया है। अगर 5 नवंबर तक उनकी पेमेंट क्लियर नही होती है तो आंगनवाड़ी वर्कर -हेल्पर के साथ-साथ उनके सगे सम्बन्धी और सर्वकर्मचारी संघ के अन्य विभाग भी मैदान में उतरेंगे। इसमें जो आमजन का नुकसान होगा उसके लिए विभाग खुद जिम्मेदार होगा। वहीं वर्कर हेल्पर जिला कमेटी द्वारा गुरुवार को डीपीओ ऑफिस के घेराव बाद समस्या समाधान शिविर में गुहार लगाई तो उसका एक पॉजिटिव रिजल्ट निकल के सामने आया। महिला एवं बाल विकास विभाग को मजबूर होकर हेड क्वार्टर



से पांच सदस्यीय टीम नूंह (मेवात) में भेजनी पड़ी और टीम 30 अक्टूबर से पेमेंट की प्रॉसेस पूरी करने में लग चुके हैं। टीम ने आश्वासन दिया है कि भले ही रविवार तक रुकना पड़े पेमेंट क्लियर करके जाएंगे। एक भी रुपया बकाया नहीं रहेगा। इसके साथ ही हेड क्वार्टर की टीम ने सीटू की जिला कमेटी के सामने सार्वजनिक किया कि केंद्र वाले मानधन से अलग जो भी पोषण ट्रैकर, यूनिफार्म, रिचार्ज का बजट है वो हर साल क्लियर होता है, लेकिन इस बात का जवाब डीपीओ को देना होगा कि उन्होंने 2 साल से वर्कर्स को 1 भी रुपया क्यों नहीं दिया जबकि हेडक्वार्टर से सब पेमेंट हो चुकी है। साथ ही ब्लॉक नूंह फर्स्ट की महिला एवं बाल विकास अधिकारी गीता ने भी कहा है कि दिवाली से पहले जितना भी बकाया है वह खाते में डाल दिया जाएगा। वहीं इसके बाद भी जिला यूनियन कमेटी सीटू का कार्यालय पर प्रदर्शन जारी रखने की बोल रहीं हैं जब तक वर्कर्स के अकाउंट में पेमेंट नहीं हो जाती।

भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक जौनपुरिया 3 नवंबर 26 को अपने जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं की लेंगे बैठक



अधिकांश युवा साथी एवं आशीर्वाद देने के लिए बड़ों का भी सहयोग होना बहुत जरूरी है जब तक बड़ों का आशीर्वाद तथा युवा साथियों का सहयोग नहीं होगा व्यक्ति अपने जीवन में अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पता भाजपा नेता अशोक जौनपुरिया का 3 नवंबर 2026 को जन्म दिवस को लेकर युवाओं में एक जोश देखने को मिल रहा ह

अनप्लग इंडिया

सोहना। भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक जौनपुरिया तीन नंबर 2026 को अपने समर्थकों के साथ जन्मदिवस मना रहे हैं उक्त कार्यक्रम वार्ड नंबर 2 राजोरिया कॉलोनी कार्यालय में होगा दोपहर 12:00 बजे जन्मदिवस के अवसर पर ही अपने सम्मानित समर्थक के साथ दीवाली मिलन समारोह कार्यक्रम भी किया जाएगा जिसमें अधिकांश युवा साथी एवं आशीर्वाद देने के लिए बड़ों का भी सहयोग होना बहुत जरूरी है जब तक बड़ों का आशीर्वाद तथा युवा साथियों का सहयोग नहीं होगा व्यक्ति अपने जीवन में अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पता भाजपा नेता अशोक जौनपुरिया का 3 नवंबर 2026 को जन्म दिवस को लेकर युवाओं में एक जोश देखने को मिल रहा है उनकी सोच है की इस बार हमारा हमारा युवा नेता अशोक जौनपुरिया हमारे बीच रहकर पंचवर्षीय योजना को संभाले युवाओं का कहना है कि अशोक जौनपुरिया भाजपा पार्टी के लिए युवा शक्ति के रूप में पार्टी को मजबूत करने करने का काम करेंगे तथा युवाओं को पार्टी के लिए जोश भरने का भी काम करेंगे अशोक जौनपुरिया एक अनुभवी के रूप में चुनाव मैदान में भी आने का पूरा मन बना लिया है

विपक्ष की रैली के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ भरेंगे हुंकार, गाजियाबाद में 5 नवंबर को पदयात्रा

अनप्लग इंडिया

गाजियाबाद। पांच नवंबर को गाजियाबाद में आयोजित होने वाली भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा ने यह जानकारी दी।

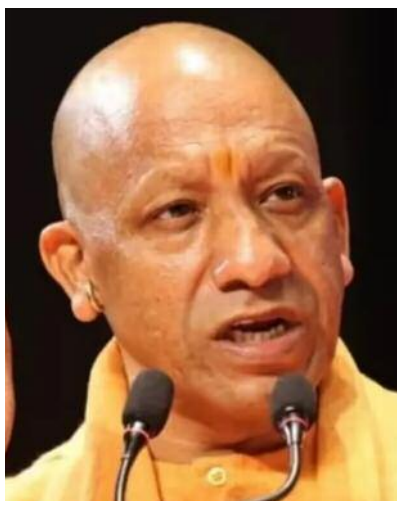
उन्होंने बताया कि पश्चिम क्षेत्र की पदयात्रा गाजियाबाद में आयोजित की जा रही है। इसमें गाजियाबाद के अलावा आसपास के जिलों के भाजपा हजारों कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

बांटी गई जिम्मेदारियां

पदयात्रा खुले स्थान के चलते राज नगर एक्सटेंशन में आयोजित होगी। स्थान और रूट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। भाजपा के गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने बताया कि पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं में जिम्मेदारियां बांटी गई हैं।

पदयात्रा के आयोजन का क्या मकसद?

इससे पहले गाजियाबाद में आयोजित क्षेत्रीय संगठनात्मक बैठक में इस पदयात्रा की रूपरेखा और रणनीति पर मंथन हुआ था। बैठक में प्रदेश सह-प्रभारी अनंत ओझा ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर देश में भ्रम और अराजकता फैलाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। भाजपा इस पदयात्रा के माध्यम से



विपक्ष की कथित नीतियों को जनता के सामने बेनकाब करेगी और 2027 में यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का संकल्प मजबूत करेगी।

आपको बता दें कि भाजपा अलग-अलग राज्यों में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कर रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में भी यह पदयात्रा शुरू हो चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लगातार पदयात्रा में शामिल हो रहे हैं। बुधवार को चांदनी चौक में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित हाथों में है और जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के जरिए भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि देश में अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है।

इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को दिल्ली में रैली

विपक्ष इन दिनों मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में अनियमितताओं, मतदाता सूची से कथित तौर पर लाखों नाम हटाने को लेकर भाजपा सरकार पर हमलावर है। इसी मुद्दे पर इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को दिल्ली में रैली होने वाली है। कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी अभियान को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' नाम दिया है। यह रैली रामलीला मैदान में होगी।

रैली टालने की अपील की गई

दिल्ली के कारोबारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने कांग्रेस से इस रैली टालने की अपील की थी। संगठन ने कहा है कि इस रैली को दीवाली के बाद तक के लिए टाल दिया जाए क्योंकि इससे दिल्ली के 20 प्रमुख बाजारों में कारोबार प्रभावित हो सकता है। संगठन ने कहा है कि भारी संख्या में वाहन और लोग आएंगे जिससे 10 से 12 हजार करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हो सकता है।

उद्यमियों-औद्योगिक क्षेत्रों को नहीं मिल रही सुविधाएं

अनप्लग इंडिया

गाजियाबाद। औद्योगिक संगठनों ने शासन पर उद्यमियों और औद्योगिक क्षेत्रों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उद्यमियों ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कें टूटी हैं। जलनिकासी और बिजली ट्रीपिंग की समस्या है। सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। ऐसे में उद्यमी कैसे आगे बढ़े। मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान ऑल इंडिया मैन्युफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन (यूपी स्टेट बोर्ड) के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र और उद्यमियों के सामने लगातार समस्या बढ़ रही है। साथ ही शासन भी उदासीन है। ऐसे में ईज ऑफ डूइंग मैन्युफैक्चरिंग कैसे आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की प्रदेश व केंद्र शासन की तरफ से अनदेखी हो रही है। उद्योग चलाने में कई तरह की बाधा आ रही है। एनजीटी के विभिन्न आदेशों एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सेंट्रल ऐयर क्वालिटी मॉनीटरिंग (सीएक्यूएम) की दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती दमनकारी नीतियों और उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों से उद्यमी पलायन करने को मजबूर है। इंडस्ट्रियल एरिया मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने कहा कि शासन की विभिन्न नीतियों की वजह से यूपीसीडा औद्योगिक उत्पीड़न का पर्याय बन गया है। विभाग के नियम इतने सख्त हैं कि उद्योगों की दिन-प्रतिदिन की हर छोटी बड़ी गतिविधि के लिए वो प्राधिकरण की अनुमति लेनी पड़ती है। बाप अपने उद्योग में अपने बेटे को पार्टनर या डायरेक्टर नहीं बना सकता, जिससे नयी पीढ़ी उद्योगों से दूर होती जा रही है। ऐसी कई व्यापारिक गतिविधियां जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा उद्योगों की लिस्ट में शामिल किया गया है, उन्हें यूपीसीडा द्वारा उद्योग ना मानने की वजह से भी उद्यमियों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अंत में शासन की उत्पीड़नात्मक नीतियों और कानूनों के विरोध में उद्यमियों ने अपने आप को जंजीरों में बांधकर सांकेतिक रूप से दिखाया कि उद्यमी किस प्रकार अपने को जकड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस दौरान बृजेश अग्रवाल, दीपक शर्मा मनोज शर्मा, संजीव गुप्ता, अनिल गर्ग, मंजीत सिंह, संजीव अरोड़ा, राजीव गुप्ता आदि उद्यमी मौजूद रहे।

एमिटी में 'इनफिनिटी 2026' का आयोजन, विशेषज्ञों ने कहा- एआई के विकास में नैतिकता और जवाबदेही सबसे जरूरी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से दुनिया की अर्थव्यवस्था, उद्योग और कार्यप्रणाली को बदल रहा है। ऐसे में तकनीक का विकास केवल उसकी क्षमता और उपयोगिता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक मूल्यों का समावेश भी जरूरी है। इसी विषय पर चर्चा के लिए एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी बिजनेस स्कूल की ओर से नौवें वार्षिक तकनीकी सम्मेलन 'इनफिनिटी 2026' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय 'नैतिक एआई गवर्नेंस-एक टिकाऊ और समावेशी भविष्य के लिए बुद्धिमान पारिस्थितिकी तंत्र' रखा गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और देश की प्रमुख तकनीकी एवं कॉरपोरेट संस्थाओं से जुड़े विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को एआई के बदलते स्वरूप, उसके व्यावसायिक उपयोग, तकनीकी



नवाचार और नैतिक जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर गिरिश सरदाना, आईबीएम की टेक्निकल कम्युनिटी लीडर एवं की फील्ड सीटीओ गीता गुरनानी और एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डॉ. संजीव बंसल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

लगातार सीखने और नए प्रयोग करने की जरूरतः मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला ने कहा कि मौजूदा दौर में लगातार सीखते रहना बेहद जरूरी हो गया है। बीते दो से तीन वर्षों में बाजार और कार्यक्षेत्र में तेजी से बदलाव हुए हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल अपने विषय तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि और अन्य क्षेत्रों की भी जानकारी हासिल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं में कुछ नया सृजन करने और समस्याओं के व्यावहारिक समाधान तलाशने की सोच विकसित होनी चाहिए। एआई के दौर में जीवन और कार्यक्षेत्र को व्यापक दृष्टिकोण से समझना जरूरी है। तकनीकी विकास के साथ नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए ऐसे समाधान तैयार किए जाने चाहिए, जो किफायती होने के साथ आम लोगों के लिए सुलभ भी हों।

सफीरुल्ला ने विद्यार्थियों को किसी एक क्षेत्र में गहन ज्ञान और विशेषज्ञता हासिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कम समय में मिलने वाली सफलता हमेशा टिकाऊ नहीं होती। इसलिए निरंतर प्रयास और हर काम में नैतिक मूल्यों का पालन आवश्यक है। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि विकास की यात्रा लंबी होती है और बेहतर भविष्य बनाने के लिए उनकी प्रतिस्पर्धा किसी दूसरे व्यक्ति से नहीं, बल्कि स्वयं से होनी चाहिए।

ईमानदारी के बिना बुद्धिमत्ता जोखिम बन सकती हैः गिरिश सरदाना

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर गिरिश सरदाना ने कहा कि व्यापार और उद्योग जगत में एआई की भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह तकनीक अर्थव्यवस्था से जुड़ रही है और आने वाले समय में कई क्षेत्रों की कार्यप्रणाली को प्रभावित करेगी। ऐसे में एआई की विश्वसनीयता और उसके जिम्मेदार इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि बुद्धिमान तकनीकी प्रणालियों का निर्माण करते समय नैतिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ईमानदारी के बिना बुद्धिमत्ता जोखिम का कारण बन सकती है। युवा विद्यार्थी एआई आधारित समाधानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए उन्हें तकनीक के साथ उसके नैतिक पहलुओं को भी समझना होगा।

सरदाना ने एआई से जुड़े तीन महत्वपूर्ण पहलुओं- प्रश्न आधारित एआई, गवर्नेंस एआई और जिम्मेदार एआई को समझने की जरूरत बताई।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वेंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।



दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिकित्सा शोध का नया वैश्विक केंद्र बनता एशिया



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली

सदियों से वैश्विक ज्ञान, विज्ञान और चिकित्सा अनुसंधान की दिशा तय करने का एकाधिकार पश्चिमी देशों के पास रहा है। किसी नई बीमारी का टीका खोजना हो, कैंसर जैसी जटिल व्याधियों की आधुनिक दवाएं तैयार करनी हों या फिर मानव जीन से जुड़े गूढ़ रहस्यों को सुलझाना हो, पूरी दुनिया की निगाहें अमेरिका और यूरोप की प्रयोगशालाओं पर टिकी रहती थीं। किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के मध्य में पहुंचते-पहुंचते यह वैश्विक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ऑब्जर्वेटरी ऑन हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट ने इस बदलाव पर आधिकारिक मुहर लगा दी है। इस रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि बायोमेडिकल रिसर्च और क्लिनिकल ट्रायल के क्षेत्र में अब पश्चिम का एकछत्र राज समाप्त हो गया है और दुनिया के शीर्ष 10 देशों की सूची में चीन तथा भारत ने अमेरिका सहित तमाम विकसित पश्चिमी राष्ट्रों को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह केवल आंकड़ों का उलटफेर नहीं है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य कूटनीति और वैज्ञानिक शक्ति के केंद्र के पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित होने का स्पष्ट उद्घोष है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के इन नवीनतम आंकड़ों का सूक्ष्म विश्लेषण करें तो स्थिति अत्यंत रोचक और दूरगामी परिणाम देने वाली नजर आती है। वैश्विक स्तर पर पंजीकृत क्लिनिकल ट्रायल की संख्या के मामले में चीन 24,524 ट्रायल के साथ दुनिया में पहले पायदान पर काबिज हो गया है, जबकि भारत 21,410 क्लिनिकल ट्रायल के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। सबसे चौंकाने वाली स्थिति दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका की है, जो 8,851 ट्रायल के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया है। अर्थात अकेले भारत या चीन में जितने चिकित्सा परीक्षण और शोध हो रहे हैं, अमेरिका में उनकी संख्या आधे से भी कम रह गई है। इस वैश्विक सूची के अन्य देशों पर नजर डालें तो चौथे स्थान पर ईरान 4,237 ट्रायल के साथ, पांचवें स्थान पर जापान 3,656 ट्रायल के साथ, छठे पर जर्मनी 3,455 के साथ, सातवें पर तुर्की 2,923 के साथ और आठवें स्थान पर फ्रांस 2,560 ट्रायल के साथ मौजूद है। वहीं स्पेन और यूनाइटेड किंगडम 2,170 ट्रायल के साथ संयुक्त रूप से नौवें और दसवें स्थान पर सिमट गए हैं। ये आंकड़े प्रमाणित करते हैं कि चिकित्सा विज्ञान के भविष्य का निर्माण अब एशिया की प्रयोगशालाओं में हो रहा है।

सामान्य जनमानस के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्लिनिकल ट्रायल और बायोमेडिकल हब बनने का वास्तविक अर्थ क्या है और इससे किसी देश की प्रतिष्ठा व आम नागरिक के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। वास्तव में क्लिनिकल ट्रायल किसी भी नई चिकित्सा पद्धति, दवा, वैक्सीन या मेडिकल उपकरण के विकास की सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कड़ी है। जब वैज्ञानिक प्रयोगशाला में किसी नए अणु या फॉर्मूले की खोज करते हैं, तो उसे मानव उपयोग के लिए सुरक्षित और प्रभावी प्रमाणित करने हेतु कई चरणों के सख्त मानवीय परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। जिस देश में ये परीक्षण सर्वाधिक होते हैं, वहां न केवल नई दवाओं का सबसे पहले विकास होता है, बल्कि उस देश के चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और संस्थानों को आधुनिकतम तकनीक व शोध का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलता है। दूसरे शब्दों में कहें तो जो राष्ट्र क्लिनिकल रिसर्च में अग्रणी होता है, आने वाले समय में वैश्विक पेटेंट, सस्ती दवाओं की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुरक्षा की कुंजी उसी के हाथों में होती है।

भारत के संदर्भ में यह उपलब्धि इसलिए भी अधिक गौरवपूर्ण है क्योंकि दशकों तक दुनिया भारत को केवल जेनेरिक दवाओं के एक सस्ते उत्पादक यानी दुनिया की फार्मेसी के रूप में ही देखती रही है। पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां मूल शोध और पेटेंट अपने पास रखती थीं और भारत की भूमिका केवल उन दवाओं के बड़े पैमाने पर विनिर्माण तक सीमित मानी जाती थी। परंतु बीते कुछ वर्षों में भारत ने इस पारंपरिक छवि को तोड़ते हुए स्वयं को एक नवाचार और अनुसंधान केंद्र के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की देखरेख में देश का क्लिनिकल ट्रायल बाजार 1.42 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है और वर्ष 2030 तक इसमें प्रतिवर्ष 8 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि दर से विस्तार होने का अनुमान है। इतना ही नहीं, दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त होने वाले सबसे मुख्य घटक एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की वैश्विक फाइलिंग में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 48 प्रतिशत हो गई है, जबकि चीन का हिस्सा 18 प्रतिशत और अमेरिका का हिस्सा घटकर मात्र 8 प्रतिशत रह गया है।

भारत के इस तीव्र उत्थान के पीछे कई ठोस आर्थिक, जनसांख्यिकीय और नीतिगत कारण काम कर रहे हैं। पहला और सबसे बड़ा कारण

लागत की प्रतिस्पर्धात्मकता है। अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में उच्चस्तरीय क्लिनिकल ट्रायल और बायोमेडिकल अनुसंधान का खर्च लगभग 30 से 35 प्रतिशत तक कम आता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारक भारत की विशाल जनसंख्या और यहां पाई जाने वाली अद्वितीय आनुवंशिक विविधता है। दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अपनी दवाओं के वैश्विक प्रभाव को परखने के लिए जिस विविधतापूर्ण रोगी समूह की आवश्यकता होती है, वह भारत में सहज रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही देश में विश्वस्तरीय अस्पतालों का बढ़ता नेटवर्क, अंग्रेजी बोलने वाले कुशल डॉक्टरों, वैज्ञानिकों व पैरामेडिकल तकनीशियनों की विशाल फौज और डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत स्वास्थ्य डेटा के एकीकरण ने भारत को वैश्विक चिकित्सा शोध के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बना दिया है।

केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने भी इस वैज्ञानिक क्रांति को गति देने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। आज भारत की राष्ट्रीय बायो-इकोनॉमी 195 अरब डॉलर के विशाल आकार को छू चुकी है और सरकार की नई बायोई3 नीति अर्थात अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से इसे वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नियामक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, सिंगल विंडो क्लीयरेंस और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन जैसी पहलों ने विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। यही कारण है कि केवल क्लिनिकल ट्रायल ही नहीं, बल्कि नेचर इंडेक्स 2026 की समग्र वैज्ञानिक शोध रैंकिंग में भी चीन पहले और भारत वैश्विक स्तर पर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की इस प्रगति की सराहना चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स को भी करनी पड़ी है, जिसने अपने विशेष विश्लेषण में स्वीकार किया है कि भारत और चीन मिलकर चिकित्सा विज्ञान के पश्चिमी एकाधिकार को समाप्त कर रहे हैं। वैश्विक बायोमेडिकल परिदृश्य में भारत और चीन का यह उभार विकासशील और गरीब देशों यानी ग्लोबल साउथ के लिए भी एक बड़ी उम्मीद लेकर आया है। पश्चिमी देशों का चिकित्सा अनुसंधान मुख्य रूप से उन बीमारियों पर केंद्रित रहता था, जिनसे उन्हें भारी मुनाफा मिल सके। इसके विपरीत भारत में होने वाले शोध में उष्णकटिबंधीय बीमारियों, संक्रामक रोगों, टीबी, मलेरिया के साथ-साथ मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर के सस्ते उपचारों को प्राथमिकता मिल रही है। जब किसी नई जीवनरक्षक दवा का परीक्षण और विकास भारतीय जमीन पर होता है, तो उसकी कीमत पश्चिमी देशों की तुलना में कई गुना कम होती है, जिसका सीधा लाभ दुनिया के करोड़ों वंचित नागरिकों को मिलता है। कोविड महामारी के दौरान स्वदेशी टीकों के विकास और वितरण के माध्यम से भारत अपनी इस मानवीय और वैज्ञानिक क्षमता का परिचय पूरी दुनिया को पहले ही दे चुका है।

अलबत्ता, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ भारत के कंधों पर एक बड़ी नैतिक और वैज्ञानिक जिम्मेदारी भी आई है। विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद अब भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने अनुसंधान की गुणवत्ता और नैतिक मानकों को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने की है। क्लिनिकल ट्रायल के दौरान इसमें भाग लेने वाले सामान्य नागरिकों और मरीजों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा, सूचित सहमति के नियमों का कड़ाई से पालन और डेटा की प्रामाणिकता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में मूलभूत अनुसंधान और विकास पर होने वाले सरकारी व निजी निवेश को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि हम केवल विदेशी कंपनियों के ट्रायल करने वाले केंद्र न बने रहें, बल्कि पूर्णतः स्वदेशी मौलिक दवाओं के पेटेंट धारक भी बनें। निष्कर्षतः, विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह रिपोर्ट नए भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का जीवंत दस्तावेज है। सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी धाक जमाने के बाद भारत ने अब जैव-चिकित्सा और फार्मास्युटिकल अनुसंधान में भी अपनी वैश्विक श्रेष्ठता सिद्ध कर दी है। जैसे-जैसे भारत वर्ष 2047 के विकसित राष्ट्र के अपने संकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है, बायोमेडिकल रिसर्च और स्वास्थ्य नवाचार का यह मजबूत स्तंभ न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि संपूर्ण मानवता को सस्ती, सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा। चिकित्सा विज्ञान का सूर्य अब पूर्व से उदित हो रहा है और भारत उसकी सबसे चमकदार किरण बनकर उभरा है।

देश की अफसरशाही आखिर किसके लिए ?

देश की अफसरशाही आखिर किसके लिए काम करती है? आम आदमी के लिए, जिसकी गाढ़ी कमाई से सरकारी खजाना भरता है, या उन रसूखदार बिल्डरों और पूंजीपतियों के लिए, जिनके हितों के सामने अक्सर जनहित गौण दिखाई देने लगता है? गाजियाबाद की गुलमोहर ग्रीन्स सोसाइटी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश ने एक बार फिर इस बुनियादी सवाल को देश के सामने खड़ा कर दिया है। जब नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़े और सरकारी तंत्र की भूमिका पर ही सवाल उठने लगें, तब यह मानने के पर्याप्त कारण पैदा होते हैं कि व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर खामी है।

नोएडा प्राधिकरण और सुपरटेक बिल्डर से जुड़े विवादों में न्यायपालिका की सख्ती के बाद भी यदि दूसरे विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, तो यह महज संयोग नहीं माना जा सकता। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और गुलमोहर ग्रीन्स सोसाइटी से जुड़ा विवाद भी इसी व्यापक समस्या की ओर ध्यान खींचता है। हालांकि किसी मामले में दोष और जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण न्यायालय के आदेश तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होना चाहिए, लेकिन बार-बार ऐसे विवाद सामने आना सरकारी संस्थाओं की जवाबदेही की पड़ताल जरूरी बनाता है।

आखिर किसके हितों की रक्षा कर रहा तंत्र?

विकास प्राधिकरणों की स्थापना शहरों को सुनियोजित बनाने, नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और भवन निर्माण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। इन संस्थाओं से अपेक्षा थी कि वे अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी और नागरिकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर समय रहते रोक लगाएंगी। लेकिन व्यवहार में कई बार तस्वीर इसके उलट दिखाई देती है। बिल्डर परियोजनाओं में नियमों के उल्लंघन के आरोप सामने आते हैं, खरीदार अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर घर खरीदते हैं और फिर सुविधाओं, स्वीकृत नक्शों या कानूनी अधिकारों के लिए वर्षों तक संघर्ष करते रहते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि निर्माण संबंधी नियमों की निगरानी करने वाले अधिकारी आखिर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं कर पाते? यदि कोई बिल्डर नियमों की अनदेखी करता है, तो क्या यह संभव है कि संबंधित विभागों को इसकी जानकारी ही न हो? यदि जानकारी थी, तो कार्रवाई में देरी क्यों हुई? और यदि जानकारी नहीं थी, तो निगरानी व्यवस्था किस काम की है? इन प्रश्नों का उत्तर केवल फाइलों और औपचारिक जांचों में नहीं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में मिलना चाहिए।

यह भी समझना होगा कि हर विवाद में बिल्डर और अधिकारी की मिलीभगत पहले से मान लेना उचित नहीं है। लेकिन जहां अनियमितताओं के आरोप हों, वहां निष्पक्ष जांच और पारदर्शी कार्रवाई से पीछे हटना भी स्वीकार्य नहीं हो सकता। कानून का शासन तभी मजबूत होगा, जब प्रभावशाली लोगों और सामान्य नागरिकों के लिए एक ही नियम लागू होगा।

नोएडा से गाजियाबाद तक एक जैसी चिंता

नोएडा में सुपरटेक से जुड़े विवादों ने यह सवाल पहले ही गंभीर बना दिया है कि आखिर नियामक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी कितनी ईमानदारी से निभा रही हैं। जब किसी परियोजना में नियमों के उल्लंघन का मामला अदालत तक पहुंचता है और न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ती है, तब केवल संबंधित बिल्डर को कठघरे में खड़ा करना पर्याप्त नहीं होता। यह भी जांचना जरूरी होता है कि मंजूरी देने, निगरानी करने और शिकायतों पर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों ने अपनी भूमिका किस तरह निभाई।

गाजियाबाद का मामला इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यदि विकास प्राधिकरण नागरिकों के हितों की रक्षा करने में विफल रहते हैं, तो उसका खामियाजा उन परिवारों को भुगतना पड़ता है जिन्होंने अपनी पूरी बचत घर खरीदने में लगा दी। उनके लिए मकान महज संपत्ति नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और भविष्य का आधार होता है। किसी परियोजना में नियमों या सुविधाओं को लेकर विवाद पैदा होने पर सबसे अधिक नुकसान उन्हीं लोगों को होता है, जिनके पास बिल्डरों और सरकारी तंत्र के मुकाबले सीमित संसाधन होते हैं।

सरकारें निवेश, निर्माण और शहरी विकास को आर्थिक प्रगति का प्रतीक बताती हैं। इसमें संदेह नहीं कि निर्माण क्षेत्र रोजगार और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें खड़ी करना नहीं है। विकास का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि नागरिकों को सुरक्षित आवास, बुनियादी सुविधाएं और कानूनी संरक्षण कितना मिल रहा है। यदि चमकदार इमारतों के पीछे आम खरीदारों की परेशानी और प्रशासनिक जवाबदेही का अभाव छिपा हो, तो ऐसे विकास की अवधारणा पर पुनर्विचार आवश्यक है।

जनता की कमाई से चलने वाले तंत्र का हिसाब कौन लेगा?

अफसरशाही की जवाबदेही का सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आम नागरिक सरकारी दफ्तरों में छोटे-छोटे कामों के लिए महीनों चक्कर काटता है, जबकि रसूखदारों के मामलों में नियमों की अनदेखी के आरोप सामने आते रहते हैं। आखिर यह दोहरा व्यवहार क्यों? यदि किसी गरीब का मकान नियमों के उल्लंघन के नाम पर कार्रवाई की जद में आ सकता है, तो बड़े बिल्डरों और उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों के मामले में भी कानून का समान रूप से पालन होना चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली पारदर्शी हो, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो और हर स्वीकृति की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी पर तय हो। दोष साबित होने पर कार्रवाई भी ऐसी हो, जो भविष्य में दूसरे अधिकारियों के लिए चेतावनी बने। केवल जांच समितियां गठित करना और अदालती आदेशों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है। जनता को आश्वासन नहीं, जवाब चाहिए। गुलमोहर ग्रीन्स मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो टावरों को पूरी तरह ध्वस्त करने और चार अन्य टावरों की नौवीं तथा दसवीं मंजिल गिराने का आदेश दिया है।

राष्ट्र भी एक महावृक्ष के समान है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति फूल की भाँति खिलता-मुस्कराता हुआ रहना चाहिए

-कांतिलाल मांडोत-

अभिप्राय यह है कि ज्ञान का उजाला सर्व प्रथम यहाँ फैला। यों भी सूर्योदय से पहले पूर्व दिशा ही आलोकित होती है, पश्चिम को बाद में ही प्रकाश मिलता है। हममें चेतना आई तो हमने स्वानुभूत ज्ञान विश्व में फैलाकर विश्व को भी प्रकाश दिया, उसे जगाया। आज सम्पूर्ण विश्व में ज्ञान का जो उजाला दिखाई दे रहा है, वह हमारे द्वारा ही फैलाया गया है। जैसे सूर्योदय से घरा का अंधकार नष्ट हो जाता है, उसी प्रकार मनरूपी आकाश का अंधकार ज्ञान के सूर्य से नष्ट हो गया। जहाँ अज्ञान है, वहीं दुःख है। ज्ञान होने पर शोक चला जाता है। सारे विश्व में अज्ञानरूपी अंधकार के चले जाने पर संसार शोकरहित हो जाता है।

आज भारत की स्थिति बड़ी विचित्र है। जिस भारत ने विश्व को शोकरहित बनाने का प्रयास किया, ज्ञान का आलोक फैलाया, आज वही धर्म कभी किसी को लड़ना नहीं सिखाता। जो धार्मिक है, वह हिंसा का नहीं बल्कि प्रेम का मार्ग चुनता है। धर्म चाहे कोई भी हो, धर्म ही होता है। पानी शीतलता प्रदान करता है, चाहे पानी झरने का हो या कुएँ का, सागर का हो या झील का पानी अपना धर्म नहीं छोड़ता। सभी के धर्म-सम्प्रदाय प्रेम का ही संदेश देते हैं। यह सब होते हुए भी विडम्बना यह है कि लोगों ने धर्म को सुना है, समझा नहीं है। जैनधर्म के चार तीर्थों में एक तीर्थ श्रावक भी है। श्रावक का अभिप्राय यह है जो श्रवण करता है, सुनता है। तीर्थंकरों की वाणी श्रावकों ने सिर्फ सुनी है। यदि सुनकर समझ जाते तो इस भारत का रूप ही कुछ दूसरा होता। केवल सुनना ही काफी नहीं है। रामचरितमानस में ज्ञान-वैराग्य का उपदेश देते हुए राम ने लक्ष्मण से कहा है- 'सुनहु तात मन मति चित लाई।' अर्थात् मन लगाकर सुनो, सुनने में मन इधर-उधर न भटके, एकाग्रता हो। सुनने के साथ ही उसे मति, यानी बुद्धि लगाकर समझो और समझने के बाद चित्त लगाकर उस पर आचरण करो। इस तरह पहले सुनना, सुनकर समझना और समझकर उसको जीवन में उतारने से ही 'श्रावक' शब्द की सार्थकता है। लेकिन सुनने-समझने-करने में तालमेल न होने की स्थिति मात्र जैन श्रावकों की ही नहीं, सभी



धर्मानुयायियों की हो रही है। वे सब अपने धर्म-गुरु की वाणी को केवल सुनते हैं, जबकि आवश्यकता समझने की है। धर्म तो सदैव सत्य की ही बात करता है। सभी धर्म सत्य की राह ही बताते है। कोई व्यक्ति अग्नि को लेकर अपने घर में आग लगा दे तो इसमें दोष किसका होगा ? अग्नि को आप दोषी मानेंगे या उसको जिसने घर में अग्नि लगाई है ? निश्चित रूप से दोष अग्नि का न होकर अग्नि लगाने वाले का ही है। ठीक इसी प्रकार धर्म की बागडोर उन लोगों के हाथ में आ गई, जो धर्म का दुरुपयोग करने में ही धर्म का पालन समझने लगे। धर्म के अंधानुयायियों का वर्चस्व बढ़ जाने के कारण ही धर्मयुद्ध लड़े गये और धर्म बदनाम हो गया।

आजादी के बाद भारत में साम्प्रदायिक हिंसा का जो जहर फैला, वह उत्तरोत्तर बढ़ता ही जा रहा है। इसके पीछे पूरे समाज या धर्म को दोषी नहीं माना जा सकता। एक मेंढ़क के कम हो जाने से सागर अपवित्र या गंदा नहीं हो जाता। समाज में कुछ व्यक्तियों के चारित्रिक पतन से पूरे समाज को दोषी मानना उचित नहीं है। संविधान ने भारत को धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया है। धर्मविहीन राष्ट्र न होकर यह है कि सरकार किसी भी व्यक्ति की धार्मिक मान्यता में अपना हस्तक्षेप नहीं करेगी। गांधीजी ने धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) का अर्थ किया था- सभी धर्मों के प्रति समान आदर भाव। प्रत्येक नागरिक अपने ढंग की प्रार्थना-पूजा के लिए स्वतंत्र है। इसमें राष्ट्र का कहीं कोई दखल नहीं होगा। वह सभी लोगों की धार्मिक भावना का सम्मान करता है। प्रत्येक नागरिक का भी यह दायित्व है कि वह ऐसा कोई काम न करे, जिससे राष्ट्र कमजोर हो। धर्म में पनपते साम्प्रदायिक विद्वेष से धर्म कमजोर होता है। वह टूटने लगता है, बिखरने लगता है। इससे कुछ स्वार्थी लोग संघर्ष पर उतर आते हैं, वे लोगों की भावना से खिलवाड़ करके धर्म के स्वरूप को विकृत कर रहे है।

सम्प्रदाय का जहर दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। भारत वह देश है, जहाँ हजारों वर्ष पहले सम्राट् अशोक ने गिरिनार में प्राप्त शिलालेख पर यह संदेश खुदवाया था- 'मैं आपके पूजा-पाठ-भक्ति से अधिक खुश नहीं हूँ। आप परस्पर प्रेम से बिना लड़े रहें तो मैं खुश रहूँगा।' धर्म के नाम पर दूसरे का तिरस्कार करना उपयुक्त नहीं है। हर धर्म यही बोध कराता है कि सभी अपने हैं- 'आत्मवत् सर्वभूतेषु।' धर्म के सच्चे अनुयायी की सतत अनुभूति यही होती है- किससे वैर करूँ, सब तो अपने हैं।'

समाज को आदर्श बनाना है, राष्ट्र को मजबूत रखना है तो सभी देशवासियों को द्वेषभाव त्यागना होगा। मत्सरभाव से बाहर निकलना होगा। हमें सुन्दर और पवित्र भावों की रचना करनी होगी। लेकिन इसमें हम सभी अलग थलग पड़ गए है।

यह सच है कि पाँचों उँगलियाँ बराबर नहीं होतीं, मगर पाँचों का अपना-अपना महत्त्व है। हम भोजन मुख में करते हैं, लेकिन उससे जो रस बनता है, वह शरीर के सभी अंगों तक पहुँचकर उसे पुष्ट बनाता है। दर्द सिर में हो या पाँव में, दवा की गोली पेट में ही पहुँचाते हैं। वृक्ष को पानी जड़ों में ही दिया जाता है मगर कुछ ही पलों बाद फूलों में उसका प्रभाव दिखाई देने लगता है। राष्ट्र भी एक महावृक्ष के सभान है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति फूल की भाँति खिलता-मुस्कराता हुआ रहना चाहिए।

प्रत्येक भारतीय को अत्तीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान को सँचारते हुए भविष्य को सँभालने की कोशिश करनी चाहिए। जाति, भाषा एवं सम्प्रदाय के अंगारों से राष्ट्र में उजाला नहीं हो सकता। उजाले के लिए धधकते अंगारे नहीं, बल्कि मशालों की जरूरत होती है। अंगारे ऊष्मा तो दे देंगे, लेकिन अंधकार का हरण नहीं करेंगे। उसके लिए तो ज्योति की ही जरूरत है।

देश का प्रत्येक व्यक्त्ति शक्ति का अदभूत स्रोत है। उस स्रोत को सूखने से बचाना होगा। अब भी समय है। हमारे धर्म और ज्ञान के स्रोतों से अमृत वाणी का निर्झर बहता रहना चाहिए। जो भी इस स्रोत का लाभ उठाने में सक्षम होगा, उसी का जीवन सुधर-सँवर सकेगा। स्रोत को रोकने का प्रयास न करें। बालकों में देश-धर्म की भावना जाग्रत करें। रावण, कंस एवं गोशालक हर युग में होते हैं, मगर उनकी शक्ति राम, कृष्ण एवं महावीर के सम्मुख क्षीण हो जाती है। पहले भी हुई है और भविष्य में भी होती रहेगी। आपको इतना ही ध्यान रखना है कि राम, कृष्ण, महावीर हमारे आदर्श हैं तथा रावण, कंस और गोशालक जैसे व्यक्तियों का धर्म तथा मानवता से कभी कोई रिश्ता नहीं होता। पिछलग्गू तो दुष्टों के भी होते हैं। आपको दुष्टों का पिछलग्गू न बनकर महापुरुषों और संतों का अनुयायी बनकर धर्म के सच्चे स्वरूप को ग्रहण करना है।

दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज

-सौरभ वार्ष्णेय-

स्वास्थ्य किसी भी सभ्य समाज की बुनियादी आवश्यकता है और जीवन बचाने वाली दवाओं तक सुलभ पहुंच प्रत्येक नागरिक का अधिकार होना चाहिए। लेकिन जब बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति इलाज के खर्च के सामने बेबस हो जाए, तब स्वास्थ्य व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों में कथित भारी अंतर पर जो गंभीर चिंता जताई है, वह केवल दवा बाजार की अनियमितताओं का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, सरकारी जवाबदेही और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक व्यापक प्रश्न है। अदालत के समक्ष कैंसर के एक इंजेक्शन का उदाहरण आया, जिसकी कीमत लगभग ग्यारह हजार रुपये बताई गई, जबकि निजी अस्पताल में उसी इंजेक्शन के लिए डेढ़ लाख रुपये वसूले जाने की बात सामने आई। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि होती है, तो यह अंतर निश्चित रूप से जांच और जवाबदेही की मांग करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उसके परिजन पहले ही मानसिक, शारीरिक बेदना सहित आर्थिक संकट से गुजरते हैं। ऐसे समय में इलाज का खर्च उनकी परेशानी को कई गुना बढ़ा देता है। परिवार अपनी बचत खर्च करता है, संपत्ति बेचने को मजबूर होता है और कई बार उधार लेकर उपचार कराता है। यदि किसी दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली राशि के बीच असाधारण अंतर है, तो यह जानना आवश्यक है कि उस अंतर में दवा की वास्तविक लागत, अस्पताल का खर्च, भंडारण, आपूर्ति, कर, सेवा शुल्क और अन्य मदों का कितना योगदान है। यह समझना भी जरूरी है कि दवा की निर्माता कीमत, वितरक की कीमत, अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी और अस्पताल द्वारा मरीज से वसूली जाने वाली राशि हमेशा एक समान नहीं होती। अस्पताल में दवा देने, उसे सुरक्षित रखने, निगरानी करने और उपचार संबंधी सेवाओं का खर्च भी हो सकता है। लेकिन इन खर्चों के नाम पर यदि बिना उचित आधार के कई गुना रकम वसूली जाती है, तो उसे सामान्य व्यावसायिक गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीज को स्पष्ट बिल, मूल्य का उचित विवरण और इलाज से संबंधित खर्चों की पारदर्शी जानकारी मिलनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब बाजार में जीवनरक्षक दवाओं के दाम आम नागरिक की पहुंच से बाहर होने लगें, तब केवल नीतियां बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा होनी चाहिए। भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश और राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इनके माध्यम से निर्धारित दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निगरानी व्यवस्था मरीजों तक पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए। अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप 270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए। विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उसकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है। दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में मनाई सरदार पटेल जयंती, राष्ट्रीय एकता की दिलाई शपथ



अनप्लग इंडिया

फर्रुखनगर: राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फर्रुखनगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग एकजुट दिखाई दिए। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की छात्राओं ने हरियाणवी वेशभूषा में गणमान्य अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। तत्पश्चात सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इसके अलावा अन्य शहीदों की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। जयंती समारोह में सभी को सुनील शास्त्री नेराष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलवाई गई। छात्राओं द्वारा स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में किसान नेता राव मानसिंह, पूर्व जिला उप प्रमुख संजीव जमींदार,

थाना प्रभारी महेंद्र सिंह, मार्केट कमेटी चेयरमैन दौलतराम, एडवोकेट संदीप यादव, पूर्व सैनिक त्रिलोकचंद सैनी, ब्लॉक कांग्रेस प्रधान सुनील यादव, प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल सैनी, प्रिंसिपल गीतिका शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य लोगों ने सरदार पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष बीरबल सैनी, उपाध्यक्ष प्रदीप यादव, पार्षद रामबीर यादव, पार्षद बलजीत सैनी, देशराज प्रधान, महामंत्री शिवचरण सीमार, विकास सरपंच झांझरौला खेड़ा, पार्षद आकांक्षा ज्ञानचंद, विनय पार्षद, पार्षद नीलम सोनी, पार्षद प्रीती सोनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि 'सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस तरह 562 रियासतों को एकीकृत कर भारत को एकता के सूत्र में पिरोया, वह हम सभी के लिए प्रेरणा है। आज युवाओं को उनके त्याग और अनुशासन से सीख लेकर राष्ट्र की एकता और सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए। पुलिस और समाज को मिलकर ही राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना होगा। '

फर्जी धान पंजीकरण मामले में त्वरित कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज: एसडीएम डॉ. राहुल कनवरिया

अनप्लग इंडिया

पिहोवा: उपमंडल अधिकारी नागरिक डॉ. राहुल कनवरिया ने कहा कि कराह साहिब खरीद केंद्र पर मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अन्य किसानों की भूमि एवं फसल का फर्जी पंजीकरण करवाकर धान बेचने के प्रयास के मामले में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। उपायुक्त कुरुक्षेत्र विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों से रिकॉर्ड तलब कर जांच करवाई गई। तहसीलदार पिहोवा से पटवारी रिपोर्ट, कृषि विभाग से पोर्टल पंजीकरण का रिकॉर्ड तथा मार्केट कमेटी पिहोवा से गेट पास एवं खरीद संबंधी विवरण प्राप्त किया गया।

एसडीएम डॉ. राहुल कनवरिया ने कहा कि जांच में सामने आया कि आरोपी गौरव कुमार निवासी गढ़ी लांगरी ने गांव शाहपुर एवं जुरासी कलां के पांच खसरा नंबरों की लगभग 4.94 एकड़ भूमि पर धान की फसल का पंजीकरण अपने नाम करवाया था। पटवारी रिपोर्ट के अनुसार संबंधित भूमि पर आरोपी का न तो मालिकाना हक है और न ही वह भूमि उसकी काश्त में है। इन खसरों पर धान की फसल अन्य किसानों की है, जबकि एक खसरा पंचायत भूमि का है। इसी पंजीकरण के आधार पर 10 अक्टूबर 2026 को कराह साहिब खरीद केंद्र पर एक आढ़ती फर्म के माध्यम से 87 क्विंटल धान का गेट पास कटवाया गया।

उन्होंने कहा कि मामले में मार्केट कमेटी पिहोवा के सचिव चंद्र सिंह द्वारा पुलिस को शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया गया। थाना सदर पिहोवा का प्रभार देख रहे डीएसपी रोहित ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 319(2) के तहत 28 अक्टूबर 2026 को एफआईआर संख्या 392 दर्ज करवाई। जांच अधिकारी संदीप को मामले की जांच सौंपी गई है। संबंधित गेट पास पर अब तक धान की कोई खरीद नहीं हुई है और न ही कोई भुगतान किया गया है।

एसडीएम डॉ. राहुल कनवरिया ने कहा कि सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों के नाम, जमीन और फसल के रिकॉर्ड का दुरुपयोग कर सरकारी खरीद प्रक्रिया में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। खरीफ सीजन 2026 के अन्य पंजीकरणों की भी जांच करवाई जा रही है, ताकि वास्तविक किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। एसडीएम ने किसानों से अपील की कि वे मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपनी भूमि एवं फसल के पंजीकरण की जांच अवश्य करें। यदि उनकी भूमि किसी अन्य व्यक्ति के नाम पंजीकृत पाई जाती है या पंजीकरण में किसी प्रकार की अनियमितता दिखाई देती है, तो तुरंत एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, कृषि विभाग अथवा मार्केट कमेटी पिहोवा को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ दौड़े सैकड़ों खिलाड़ी और विद्यार्थी



अनप्लग इंडिया

कोसली। एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा है कि खंड-खंड में विभाजित देश को अखंड भारत बनाने में प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। सरदार पटेल हम सबके लिए राष्ट्रीय एकता के प्रेरणा स्त्रोत हैं और रहेंगे।

कोसली के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में देश के पहले उप प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री एवं अमर स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 126 वीं जयंती समारोह को आज राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 562 रियासतों को भारतीय गणराज्य में शामिल करवाया था। यह एक बहुत बड़ी कामयाबी इतिहास में मानी जाती है। उन्हीं की बदौलत आज भारत गर्व के साथ दुनिया के सामने खड़ा है।

इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों, पुलिस जवान तथा आम नागरिकों को भारत की सुरक्षा व एकजुटता को कायम रखने की शपथ दिलवाई गई।

एसडीएम विजय कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया। उन्होंने स्वयं भी डीएसपी विद्यानंद, बीडीपीओ अनिल कुमार, बीईओ सुरेश कास्वां, एसएचओ विद्यासागर के साथ रन फॉर यूनिटी में भाग लिया। इस मौके पर नायब तहसीलदार नेहा यादव, कोसली के सरपंच रामकिशन जांगड़ा, भाकली के सरपंच श्याम सिंह, उप अधीक्षक राजेश कुमार, पंच ओमप्रकाश डाबला इत्यादि सहित सैकड़ों नागरिक मौजूद रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी सर्फली में कानून जानो बचपन बचाओ–2026' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



अनप्लग इंडिया

असंध। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी सर्फली में शनिवार को कानून जानो बचपन बचाओ-2026' के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री तनुज हन्दूजा न्यायिक मजिस्ट्रेट (एलडी जेएमआईसी) असंध ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि तनुज हन्दूजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पॉक्सो एक्ट और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाव संबंधी कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष जोर दिया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को बताया कि अधिकारों और सुरक्षा को आसान भाषा में समझना ही 'कानून जानो' का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान उन्होंने मूल बाल अधिकार, बच्चे को शिक्षा का अधिकार , सुरक्षा का अधिकार, और शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाने के अधिकार के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि तनुज हन्दूजा ने कहा कि पॉक्सो एक्ट कानून 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार या अश्लीलता से बचाने के लिए बनाया गया है। यह कानून लड़के और लड़की दोनों को समान रूप से सुरक्षा प्रदान करता है।उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहना और गलत व्यवहार को पहचानना बेहद जरूरी है।बच्चों को बिना भय के अपने अभिभावकों, शिक्षकों या संबंधित अधिकारियों को ऐसी घटनाओं की जानकारी देनी चाहिए, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में कानूनी सहायक अधिवक्ता रामनिवास शर्मा ने विद्यार्थियों को 'ना बाल विवाह, न बाल शोषण' कार्यकम के तहत बाल विवाह के बारे में जानकारी दी। भारत में बाल विवाह एक कानूनी अपराध है और इससे जुड़े नियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत तय किए गए है। इसके लिए बालिका के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है। इस आयु से कम उम्र में किया गया विवाह कानूनन बाल विवाह माना जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, शिकायत दर्ज करवाने की प्रक्रिया तथा बच्चों के संरक्षण के लिए कार्यरत प्रशासनिक एवं न्यायिक संस्थाओं की भूमिका से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है, ताकि वे किसी भी अनुचित व्यवहार की पहचान कर सकें और समय पर सहायता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थियों को आवश्यक सहायता के लिए 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 15100 निः शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि जरूरत पड़ने पर संबंधित हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया



अनप्लग इंडिया

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस दीक्षांत परेड मैदान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा में योगदान की शपथ ली। डिस्पले बोर्ड पर सरदार पटेल की शिक्षाओं व आदर्शों का वर्णन करते हुए चित्रों को भी प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम के लिए अकादमी की निदेशक श्रीमती कला रामचन्द्रन द्वारा उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती गीतिका जाखड़ को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस अकादमी की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती गीतिका जाखड़ विशेषतौर पर उपस्थित रही। इसमें उपस्थित सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने, अपने देशवासियों के बीच इस संदेश को फैलाने का प्रयत्न करने की सत्यनिष्ठा से शपथ ली। इस अवसर पर श्रीमती गीतिका जाखड़ ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता से भारत अपने अखंड स्वरूप में है। उन्होंने 562 रियासतों को मिलाकर एक राष्ट्र निर्माण किया। हमें भारत की राष्ट्र की एकता और अखंडता में अपना श्रेष्ठ योगदान देना है। श्रीमती जाखड़ ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ भी दिलाई और राष्ट्रीय एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अकादमी के निरीक्षक तरसेम सिंह, निरीक्षक रविन्द्र कुमार, रिजर्व निरीक्षक नरेश शर्मा, मुख्य विधि प्रशिक्षक राजबीर सिंह, लाईन प्रभारी सुनील कुमार, मुख्य कवायद प्रशिक्षक नरेश कुमार, उप निरीक्षक सुखविन्द्र, प्रशिक्षणार्थी व स्टाफ के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

अनप्लग इंडिया

करनाल। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालं में राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक करन गोयल ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति प्रत्येक नागरिक एवं सरकारी कर्मचारी के दायित्वों के प्रति जागरूकता पैदा करना तथा राष्ट्र की एकता को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लेना रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति, अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व के बल पर देश की विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार और आदर्श आज भी प्रत्येक देशवासी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमें देश की एकता, अखंडता, आपसी सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखने के अपने दायित्वों का स्मरण करवाता है। भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस विभाग की जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में शांति, सुरक्षा, विश्वास और आपसी सौहार्द का वातावरण कायम रखना भी पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। प्रत्येक पुलिस कर्मचारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने



कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए तथा जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने, राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा देशवासियों के बीच आपसी सद्भाव एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए अपना पूर्ण योगदान देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय करनाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सैनी के प्रयासों से हरियाणा की झोली में आया बड़ा पद

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा के रोड़ समाज के लिए एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है । कुरुक्षेत्र निवासी वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. ऋषिपाल मथाना को भारत सरकार ने देश के सबसे बड़े ग्रामीण बैंक नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में शामिल किया है।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार डॉ. मथाना को अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति नाबार्ड अधिनियम के तहत की गई है। समाज ने जताया प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सैनी का आभार

इस ऐतिहासिक नियुक्ति पर रोड़ समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का दिल से धन्यवाद किया है।

मथाना का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने हमेशा रोड़ समाज को सम्मान दिया है और



उसकी भागीदारी को बढ़ाया है।

भाजपा में रोड़ समाज को लगातार मिल रहा है बड़ा मान-सम्मान

डॉ. मथाना की नियुक्ति कोई अकेली घटना नहीं है। वर्तमान में भाजपा सरकार में रोड़ समाज के कई चेहरे बड़ी जिम्मेदारियों पर हैं।

हरविंदर कल्याण विधानसभा अध्यक्ष हैं और हिम्मत सिंह हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हैं। वहीं सतपाल जाम्बा विधायक, पुंडरी (कैथल) हैं।

कौन हैं डॉ. ऋषिपाल मथाना?

डॉ. मथाना लंबे समय से शिक्षा, कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। वे कुरुक्षेत्र के निवासी हैं और रोड़ समाज में उनकी गहरी पकड़ और सम्मान है। नाबार्ड जैसे राष्ट्रीय संस्थान में उनकी नियुक्ति से अब गाँव, किसान और सहकारी बैंकों से जुड़ी नीतियों में हरियाणा और रोड़ समाज की आवाज और मजबूत होगी।

मुख्य काम

बोर्ड मीटिंग में फैसला लेना।

किसान को कितने ब्याज पर लोन देना है, तय करना।

हरियाणा के ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों को कितना पैसा देना है, पास करना।

गाँव की सड़क, गोदाम, डेयरी, सिंचाई के प्रोजेक्ट को मंजूरी देना।

सहकारी बैंकों की समस्या सीधे बोर्ड में रखना।

किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि लोन की योजनाओं में हरियाणा का पक्ष रखना।

ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार योजनाओं को बढ़ावा देना।

नाबार्ड का पैसा सही जगह लग रहा है या नहीं, उसकी जाँच करना

बैंकों में भ्रष्टाचार या लापरवाही पर सवाल उठाना।

बड़ी जिम्मेदारी

जैसे गाँव की पंचायत में पंच फैसले लेता है, वैसे ही ये देश के सबसे बड़े ग्रामीण बैंक के पंच बन गए हैं। अब किसान से जुड़ा हर बड़ा फैसला इनकी मेज से होकर निकलेगा।

सरदार पटेल कॉलेज में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई लौह पुरुष की जयंती



अनप्लग इंडिया

फर्रुखनगर: सरदार पटेल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फर्रुखनगर में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक डॉ. विजय बंसल ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आहुतियां अर्पित कीं और राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं उन्नति की कामना की। साथ ही विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ ली। कॉलेज निदेशक डॉ. विजय बंसल ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश की विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। उनका दृढ़ नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अटूट संकल्प आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए रंगोली और भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में रेवा शर्मा ने प्रथम, प्रगति ने द्वितीय और मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, 'भारत के महापुरुष' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महक प्रथम, आशा द्वितीय और संगीता तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के महापुरुषों के आदर्शों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा।

18 वीं शताब्दी में बनी राजा उदय सिंह की हवेली को जमींदोज होने से बचाने का काम हुआ शुरू, 31 मार्च तक पहले जैसे स्वरूप में मजबूती के साथ खड़ी दिखेगी इमारत

अनप्लग इंडिया

पिहोवा: लंबे समय से उपेक्षित भाई उदय सिंह की हवेली अब फिर से उसी रूप में नजर आएगी। प्राचीन धरोहरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के तहत इसके जीर्णोद्धार का काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के ओएसडी भारत भूषण भारती ने बताया कि इस प्राचीन धरोहर में शामिल करके नया लुक दिया जाएगा। सरकार इस कार्य पर पुरातत्व विभाग के जरिए चार करोड़ 60 लाख रुपए का बजट खर्च करेगी। इस पर काम शुरू कर दिया गया है। जिस फर्म को नवीनीकरण का टेंडर दिया गया है। उसे 31 मार्च 2027 तक इसे कंप्लीट करके देना है। कंस्ट्रक्शन के काम को देखते हुए अब राजा भाई उदय सिंह की हवेली जो पीडब्ल्यूडी का पुराना रेस्ट हाउस थी। उसे टीन की चादरों से चारों तरफ से कवर किया गया है। इसे लेकर पुरातत्व विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र परमार सहित विशेषज्ञों की टीम ने यहां अवलोकन



भी किया था। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र परमार ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार का प्रयास है कि प्राचीन धरोहरों को नया स्वरूप देकर पर्यटन एवं आस्था का केंद्र बनाया जाए। साथ ही प्राचीन धरोहरों के संरक्षण की ओर भी यह बढ़ता कदम है। उन्होंने बताया कि ओएसडी भारत भूषण भारती के प्रयास से सरस्वती नदी के किनारे स्थित प्रांची मंदिरों का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। इन्हें नया स्वरूप देने के लिए ऐसी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा कि इनकी प्राचीनता एवं भव्यता बनी रहे।

खंडहर हो चुकी थी 18वीं शताब्दी बनी भाई उदय सिंह की हवेली

कुछ दशक पहले पीडब्ल्यूडी का रेस्ट हाउस रही ऐतिहासिक इमारत भाई उदय सिंह की हवेली देखभाल ना होने के कारण फिलहाल ढ़हने के कगार पर थी। तहसील कार्यालय के बिल्कुल निकट स्थित पुराना रेस्ट हाउस के नाम से पहचान बनाने वाली यह इमारत 18वीं शताब्दी के राजा उदय सिंह द्वारा बनवाई गई धरोहर है। यहां के लोग लंबे समय से इसे पुरातत्व विभाग का म्यूजियम बनाने की मांग कर रहे थे। जिसे अब जल्द पूरा किया जाएगा

इसी हवेली में इकट्ठा होता था पशु बेचने का लगान

इतिहासकारों के मुताबिक उस समय पर पिहोवा मेले में पशु मंडी लगती थी। जिसके संचालन का पूरा अधिकार जींद रियासत के राजा भाई उदय सिंह को था। उदय सिंह मेले के समय इस हवेली में आकर यहां पशु खरीदने बेचने के सिलसिले में यहां आने वाले व्यापारियों से टैक्स एकत्रित किया करता था। आजादी के बाद इस बेमिसाल इमारत में पीडब्ल्यूडी ने रेस्ट हाउस बना दिया। यहां वीआईपी मेहमानों को ठहराया जाता था। देखरेख ना होने के चलते अब यह भव्य इमारत खंडहर में तब्दील होती चुकी थी। दो नए रेस्ट हाउस बनने के बाद इस बिल्डिंग की तरफ किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। अब इसे असुरक्षित करार दे दिया गया था।

1823 में राजा बनने के बाद करवाया था निर्माण

ये हवेली कैथल के राजा उदय सिंह ने बनवाई थी। उदय सिंह 1823 ई. में राजा बने थे। वे लकवा ग्रस्त थे। उन्हें पालकी पर उठाकर सेवादार चलते थे पालकी ऊपर सीढ़ियों के रास्ते छत तक जा सके। इसलिए इस हवेली की सीढ़ियां बेहद चौड़ी बनाई गई थी। करीब 20 साल तक वे रियासत के राजा रहे। इस दौरान उन्होंने एक किला, हवेली व सरस्वती पर एक पुल का निर्माण भी करवाया था। इसके अलावा हरनौली चीका में भी उन्होंने एक किला बनवाया था। 1843 ई. में बीमारी के कारण उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद अंग्रेजों ने उनकी रियासत पर कब्जा करके इस हवेली को अपने अधीन कर लिया। अंग्रेजी शासन समाप्त होने पर प्रदेश सरकार ने इसमें रेस्ट हाउस बना दिया था।

प्राचीन विरासतों को बचाने की मुहिमः भारती

संक्षिप्त डायरी

करवा चौथ पर नवविवाहिता की मौत, पोस्टमार्टम के बाद शव लेने को लेकर अड़े मायके वाले, तीन घंटे चला हंगामा

एजेंसी

कानपुर करवा चौथ पर शगुन न मिलने से नाराजगी के बाद नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दहेज में बुलेट और चेन मांगने का आरोप है। मायके वालों की पुलिस से कई बार झड़प हुई। अंतिम संस्कार नहीं करने की चेतावनी दी। सेन पश्चिमपारा में करवा चौथ पर मायके से शगुन नहीं आने को लेकर हुए विवाद के बाद नवविवाहिता मुस्कान (21) की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पर जमकर हंगामा हुआ। मायके पक्ष के लोग ससुरालियों और पति के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव लेने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान परिजनों की पुलिस से कई बार झड़प हुई। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस की मौजूदगी में कुछ मांगों पर सहमति बनने पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। कन्नौज के ठठिया श्यामनगर निवासी किसान उमेश सैनी की बेटी मुस्कान की शादी 20 फरवरी 2026 को न्यू आजाद नगर निवासी ऑटो चालक सागर से हुई थी। शुक्रवार दोपहर ससुराल के कमरे में उसका शव जमीन पर पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो गले पर फंदे के निशान मिले। थाना प्रभारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुस्कान की मां शांति और अन्य परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति सागर, सास-ससुर, जेठ और ननद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान कर रहे थे। उस पर बुलेट और डेढ़ तोले की सोने की चेन मायके से लाने का दबाव बनाया जा रहा था। इसको लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। लोकलाज के चलते मुस्कान ने काफी समय तक अपनी परेशानी परिवार से छिपाए रखी। बाद में जानकारी होने पर पिता उमेश ने आर्थिक असमर्थता जताई, लेकिन इसके बावजूद बेटी पर दबाव बनाया जाता रहा।

परिजनों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को पति और अन्य ससुरालियों ने मुस्कान के साथ मारपीट की और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हालांकि, मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष ने शव लेने से इनकार कर दिया। उनकी मांग थी कि पति और ससुरालीजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचें, तभी वे शव लेकर अंतिम संस्कार करेंगे। इस बात को लेकर पुलिस और परिजनों के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई।

प्रणवपत की 30 करोड़ की संपत्ति 6.21 करोड़ में कराई रजिस्ट्री, नामचीन बिल्डर पिता-पुत्र समेत 10 पर FIR

एजेंसी

कानपुर नजीराबाद थाने में एसीजीएम प्रथम के आदेश पर शहर के चर्चित बिल्डर अनूप अस्थाना, उनके बेटे सुयश अस्थाना और पूर्णिमा दीक्षित समेत 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित कारोबारी प्रणव पत सिंघानिया का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें चिट्टा व अन्य नशीले पदार्थ देकर बंधक बनाया और उनकी मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर 30 करोड़ रुपये कीमत की पैतृक संपत्ति महज 6.21 करोड़ रुपये में पूर्णिमा दीक्षित के नाम करा ली। कानपुर के नामचीन बिल्डर अनूप अस्थाना और उसके बेटे सुयश अस्थाना समेत 10 लोगों के खिलाफ कारोबारी प्रणव पत सिंघानिया ने नजीराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि नशीले पदार्थ देकर उसकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित की गई। इसके बाद उसे बंधक बनाकर रखा गया और करीब 30 करोड़ रुपये कीमत की पैतृक संपत्ति महज 6.21 करोड़ रुपये में पूर्णिमा दीक्षित के नाम बैनामा करा दी गई। इतना ही नहीं, उसके बैंक खाते से भी करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। आपराधिक धमकी और किसी व्यक्ति को बंधक बनाकर रखने समेत संबंधित धाराओं में अदालत के आदेश पर 29 अक्तूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई। राधा कुंज, कालपी रोड निवासी प्रणव के मुताबिक, वर्ष 2024 की शुरूआत से अनूप अस्थाना और उसके बेटे सुयश ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति का फायदा उठाना शुरू किया।

महेंद्र अस्पताल में करीब एक महीने भर्ती रहना पड़ा

सुयश उसे चिट्टा समेत अन्य नशीले पदार्थ उपलब्ध कराता था। इनकी व्यवस्था सोनू पंडित के माध्यम से होती थी। जुलाई 2024 से उसे होटल रीजेंटा में रखा गया, जहां उसके आवागमन और परिवार व परिचितों से मिलने-जुलने पर नियंत्रण रखा जाता था। फरवरी 2026 में हालत बिगड़ने पर उसे महेंद्र अस्पताल में करीब एक महीने भर्ती रहना पड़ा। आरोप है कि इसी दौरान उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज, चेकबुक और मोबाइल फोन समेत निजी अभिलेख अपने कब्जे में ले लिए गए। तीन बार नशीला पदार्थ दिया गया था अरुण कुमार वर्मा ने उससे कोरे चेक, स्टांप और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए। पांच जून 2024 को कोपरगंज स्थित उसके गोदामों का विक्रय अनुबंध भी कराया गया, लेकिन इसके बदले उसे कोई वास्तविक आर्थिक लाभ नहीं मिला। आरोप है कि 26 मई 2025 को प्रणव के पैतृक आवास का बैनामा पूर्णिमा दीक्षित के नाम कराया गया। आरोप है कि रजिस्ट्री से कुछ घंटे पहले उसे तीन बार नशीला पदार्थ दिया गया था। इस सौदे में कमल प्रकाश दीक्षित की सक्रिय भूमिका और श्रीराम के माध्यम से रकम की व्यवस्था किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। बैंक स्टेटमेंट के मुताबिक, एक मार्च से 30 नवंबर 2025 के बीच उसके आईडीएफसी फर्स्ट बैंक खाते में करीब 2.29 करोड़ रुपये जमा हुए, जबकि 2.50 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई। इसमें 12 मार्च को अनूप अस्थाना के पक्ष में 98 लाख, 21 मार्च को सुयश अस्थाना के पक्ष में 1.21 करोड़ और 25 नवंबर को सुयश के खाते में 8.50 लाख रुपये आरटीजीएस से भेजे गए। लेनदेन का वास्तविक लाभ नहीं मिला प्रणव का आरोप है कि इन लेनदेन का वास्तविक लाभ उसे नहीं मिला। प्रणव के मुताबिक, 25 जुलाई 2026 को परिवार की मदद से वह आरोपियों के प्रभाव से बाहर आया। इसके बाद 24 अगस्त को कौशलपुरी स्थित शिवानी कानपुर केक एंड फ्लावर्स से फूल खरीदकर लौटते समय दो अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने सुयश और अनूप के पास वापस लौटने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न करने की चेतावनी दी। मिली जान से मारने की धमकी

ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में उसने 26 अगस्त को नजीराबाद पुलिस और पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजी थी। कार्रवाई न होने पर एसीजेएम प्रथम की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया। अदालत के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। मालूम हो कि इससे पहले प्रणव ने स्वरूप नगर थाने में बिल्डर पिता पुत्र समेत 14 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पांच नामजद, चार अन्य नाम और एक अज्ञात भी आरोपी नजीराबाद थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी में अनूप अस्थाना, उसके बेटे सुयश अस्थाना, अरुण कुमार वर्मा, कमल प्रकाश दीक्षित और पूर्णिमा दीक्षित नामजद हैं। इनके अलावा श्रीराम, बेबी बिल्डर, बृजेंद्र नाथ मिश्रा, सोनू पंडित और एक अज्ञात व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है।

महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक से छिनेगा सुपरफास्ट का दर्जा, रेलवे का बड़ा फैसला

एजेंसी

प्रयागराज नए साल से मुंबई रूट की तीन प्रमुख ट्रेनों का सफर सस्ता होने जा रहा है। रेलवे महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से सुपरफास्ट का दर्जा हटाने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से इनके नंबर बदलने के साथ स्लीपर और एसी श्रेणियों के किराये में भी कमी आएगी। मुंबई जाने वाली तीन प्रमुख ट्रेनें महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक से अब सुपरफास्ट ट्रेन का दर्जा हटने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से तीनों ही एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में संचालित होंगी।

सीएम योगी और रेल मंत्री ने वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जा रहा है। 31 अक्टूबर से वंदे भारत स्लीपर, मेमू और प्रयागराज के लिए नई रेल सेवा शुरू होने से कनेक्टिविटी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन इसी बदलते और विकसित होते भारत का हिस्सा है। आधुनिक रेल सेवाएं देश की



कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन से काशी से दिल्ली का सफर 3.5 घंटे में पूरा होगा। वहीं वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से आठ घंटे में सफर पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की आबादी लगातार बढ़ रही है। यात्रियों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और शहर का दायरा तेजी से विस्तार कर रहा है। ऐसे में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से यात्रियों को रातभर के सफर में आधुनिक और आरामदायक सुविधा मिलेगी। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को सहूलियत होगी। सीएम ने कहा कि छात्र अब वाराणसी सिटी से राजातालाब तक 95 रुपये के मासिक पास पर और वाराणसी से प्रयागराज तक मेमू ट्रेन से 220 रुपये में महीनेभर सफर कर सकेंगे। वहीं, रेल मंत्री ने कहा कि दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन से महज 3.30 घंटे में पहुंचना संभव होगा। इससे यात्रियों को तेज और बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंच पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु', विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य और महापौर अशोक तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। दिल्ली और काशी के बीच रेल से यात्रा करने वालों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। काशी-दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरूआत से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रियों का सफर का अनुभव भी बेहतर होगा। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस, यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। 3 3 मिनट में तय होगी दूरी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन के नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक जाएगी। यूपी में दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। कॉरिडोर बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का एक घंटा 45 मिनट और लखनऊ का दो घंटे 12 मिनट में पूरा होगा। वहीं, दिल्ली से वाराणसी की दूरी महज तीन घंटे 33 मिनट में तय की जा सकेगी। सीएम योगी ने कहा कि रेलवे केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी गति देता है। बेहतर रेल नेटवर्क से व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों का विस्तार होता है। काशी जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले शहर में इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर को वाराणसी से तीन महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की शुरूआत हो रही है। इनमें वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अलावा स्थानीय आवागमन को बेहतर बनाने के लिए मेमू ट्रेनें और प्रयागराज के लिए नई रेल सेवा शामिल हैं। मेमू ट्रेनों के संचालन से शहर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वहीं, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को भी एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा।

मां पर 11 साल के बेटे की हत्या का आरोप, बहन बोली- पापा, मम्मी ने ही भाई को मार डाला

एजेंसी

प्रयागराज प्रयागराज के बहरिया में 11 साल के मासूम रामसुख की संदिग्ध मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद हत्या के आरोप तक पहुंच गया। पिता का आरोप है कि मां ने ही कपड़े के लेस से बेटे का गला दबाया। बहन ने पिता को घटना की जानकारी देते हुए खुद को भी धमकी मिलने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। जिस मां की गोद में 11 साल का रामसुख खेलता था, उसी मां पर उसकी हत्या का आरोप लगा है। प्रयागराज के बहरिया थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव में मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद नया मोड़ ले चुका है। पिता की तहरीर और बेटी के आरोपों के आधार पर पुलिस ने मां सोना देवी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि मां ने कपड़े के लेस से गला दबाकर बेटे की हत्या की। घटना के बाद बेटी को भी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस आरोपी मंसूरपुर निवासी पूर्णमासी लाल मौर्य के मुताबिक, 29 अक्तूबर को वह करेली में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान भतीजे महेंद्र ने फोन कर बेटे रामसुख की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की जानकारी दी। वह घर पहुंचा तो बेटे का शव दरवाजे पर रखा था। पिता ने पत्नी सोना देवी से घटना के बारे में पूछा तो उसने बताया कि रामसुख 28 अक्तूबर की रात सराय सुल्तान में रामलीला देखकर करीब 11 बजे घर लौटा था। पेट दर्द की शिकायत करने के बाद वह सो गया था। हालांकि, बेटे के गले पर निशान देखकर पिता को शक हुआ और उसने शव का पोस्टमार्टम कराया। पिता के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टर ने गला किसी पतली रस्सी या कपड़े से दबाए जाने की आशंका जताई। घटना के बाद से ही रामसुख की बड़ी बहन संगीता लगातार रो रही थी। 30 अक्तूबर को पिता ने उससे रोने की वजह पूछी तो उसने कथित तौर पर पूरी घटना बता दी।

दुष्कर्म की झूठी प्राथमिकी का पदार्फाश, मास्टरमाइंड सिपाही सहित चार गिरफ्तार; सात महीने काट चुका है सजा

एजेंसी

वाराणसी। कोर्ट में विचाराधीन मुकदमे को प्रभावित करने के लिए पीड़िता के पिता के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने के मामले में मास्टरमाइंड सिपाही समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला कोतवाली नगर थाना क्षेत्र का है। अयोध्या निवासी सिपाही किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में पहले सात महीने जेल की सजा काट चुका है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने संवेदनशील और चौंकाने वाले मामले का खुलासा करते हुए दुष्कर्म की झूठी प्राथमिकी का पदार्फाश किया है। पुलिस ने शनिवार की सुबह 5:30 बजे सोनीधापा मैदान के पास से इस आपराधिक षड्यंत्र में शामिल मास्टरमाइंड व मुख्य आरोपी सिपाही विशाल भारती, दो महिलाओं सहित चार को गिरफ्तार कर लिया। वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एसपी सर्वेश



कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 जुलाई 2026 को थाना कोतवाली नगर में दक्षिण टोला थाना के औरंगाबाद डिहवा वर्तमान पता बहादुरगंज थाना सरायलखंसी सकीना खातून ने दुष्कर्म होने की शिकायत की। आरोप लगाया था कि ईद से तीन दिन पहले मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली के कोइरियापार गांव निवासी मोहम्मद इमरान अहमद ने उसे नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी। इस शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली नगर में इमरान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली नगर पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों, संदिग्ध मोबाइल नंबरों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड का और गहन छानबीन शुरू की। विवेचना के दौरान जो तथ्य सामने आए, उन्होंने सभी को हैरान कर दिया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मो. इमरान अहमद के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी पूरी तरह से झूठी और सुनियोजित थी। इस साजिश के पीछे मुख्य आरोपी पुलिस लाइन में तैनात सिपाही विशाल भारती है जो आयोध्या जिले के रामजन्मभूमि थाना के सीओ कॉलोनी टेढ़ी बाजार का निवासी है। मो. इमरान अहमद की नाबालिग बेटी ने वर्ष 2023 में सिपाही विशाल भारती के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और अंतरंग वीडियो वायरल करने का आरोप लगाया था। सिपाही उस समय मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली में तैनात था। तहरीर के आधार पर 07 जुलाई 2023 को मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली में दुष्कर्म सहित कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में आरोपी सिपाही करीब 7 महीने तक जेल में बंद था। वर्तमान में यह मामला मऊ के सेशन कोर्ट में विचाराधीन है और इसमें गवाही व जिरह की प्रक्रिया चल रही है।

कार और बाइक की भिड़ंत में चाचा-भतीजे की मौत, पांच लोग घायल

एजेंसी

हमीरपुर यूपी के हमीरपुर जिले में सड़क हादसा हुआ। हादसा धनौरी गांव के पास हुआ। चाचा भतीजा बाइक से बहन के घर जा रहे थे। हमीरपुर मार्ग पर धनौरी गांव स्थित पौधशाला के पास शनिवार दोपहर अर्टिगा कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां दो की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। मुस्करा थाना क्षेत्र के उपरहंका गांव के श्रीरामपुर डेरा निवासी रवि यादव ने बताया कि उनका छोटा भाई अरविंद कुमार (22) शनिवार दोपहर अपने चाचा सर्वेश कुमार (26) को बाइक पर बैठाकर भुजपुरा कुनेहटा गांव निवासी



अपनी बहन के घर जा रहे थे। धनौरी गांव स्थित पौधशाला के पास सामने से आ रही अर्टिगा कार से बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार अरविंद और सर्वेश की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक हेलमेट नहीं पहने थे। वहीं कार सवार छतरपुर की कमला कॉलोनी निवासी मालती परिहार (58), उनका बेटा अर्पित परिहार (28), गौरव सिंह (28), हरिसिंह (38) और कार चालक फतेहपुर जिले के सिजौली निवासी वीरसिंह (23) घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया। यहां डॉ कनिष्क माहुर ने अर्पित और गौरव की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। घायल मालती परिहार ने बताया कि वह परिवार के साथ छतरपुर से फतेहपुर जा रही थीं। मृतक चाचा भतीजा दोनों अविवाहित थे।

बिड़ला ने दिए मंत्र, कहा- रिस्क नहीं तो इश्क नहीं; बीएचयू विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया

एजेंसी

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह में कुमार मंगलम बिड़ला ने युवाओं को जोखिम उठाने, अपने फैसले खुद लेने और बड़े सपने देखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अगले 25 साल निर्णायक होंगे। तकनीक, उद्यमिता और युवा आबादी नए अवसर पैदा कर रही हैं, जिन्हें मेहनत और दूरदृष्टि से उपलब्धियों में बदलना होगा। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने युवाओं को सफलता के लिए जोखिम उठाने, अपने फैसले खुद लेने और बड़े सपने देखने का मंत्र दिया। करीब 25 मिनट के दीक्षांत संबोधन में उन्होंने उद्योग जगत में अपनी पहचान बनाने के संघर्ष और अनुभवों को रोचक कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि शुरूआत करने के लिए इससे रोमांचक समय कोई दूसरा नहीं हो सकता, खासकर भारत जैसे देश में। आने वाले 25 साल भारत की वैश्विक पहचान को बदलने की क्षमता रखते हैं। कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि जिंदगी में अपने फैसले खुद लेने का साहस बनाए रखना चाहिए। जोखिम उठाए बिना कुछ बड़ा हासिल नहीं किया जा सकता। युवाओं को असफलता के डर से पीछे नहीं हटना चाहिए, बल्कि चुनौतियों को अवसर में बदलने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने अपने संदेश को फिल्मी संवादों से भी जोड़ा। 'अपना टाइम आएगा', 'रिस्क नहीं तो कुछ नहीं' और 'जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं' जैसे लोकप्रिय संवादों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इन्हें जीवन के अनुभवों से जोड़कर समझाया। उन्होंने कहा कि बदलते भारत में युवाओं के सामने अवसरों की कोई कमी नहीं है। हालांकि इन अवसरों को उपलब्धियों में बदलने के लिए मेहनत, साहस और दूरदृष्टि जरूरी है। विद्यार्थियों को अपने करियर को केवल नौकरी हासिल करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि देश और समाज के विकास में योगदान देने की सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बिड़ला ने कहा कि तकनीक, युवा आबादी, उद्यमिता और बढ़ती महत्वाकांक्षाएं मिलकर ऐसे अवसर पैदा कर रही हैं, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां भी नहीं कर सकती थीं। भारत के अगले 25 साल बेहद निर्णायक साबित होंगे। इसी तरह दीक्षांत समारोह में स्नातक हो रहे विद्यार्थियों के जीवन और करियर के अगले 25 साल भी उनके भविष्य की दिशा तय करेंगे। उनके सामने संभावनाओं का विशाल संसार खुला है। जरूरत है कि वे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य चुनें और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

एक महीने पहले पिता बने चालक की मौत

एजेंसी

वाराणसी। कटैला पुल के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम टकरा गई। हादसे में चालक अमरेश यादव की मौत हो गई। वह गुजरात से गत्ता लादकर मऊ जा रहा था। एक माह पहले ही उसके घर बेटे का जन्म हुआ था। वह डीसीएम का मालिक भी था। वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर जंगीपुर थाना क्षेत्र के कटैला पुल के पास शुक्रवार देर रात सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम घुस गई। हादसे में डीसीएम चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमरेश यादव (35) पुत्र लालचंद यादव निवासी नवधन सुदई, थाना ऊंज, संत रविदासनगर (भदोही) के रूप में हुई। वह डीसीएम का मालिक भी था और खुद ही गाड़ी चला रहा था। जानकारी के अनुसार अमरेश गुजरात से डीसीएम में गत्ता लादकर



मऊ जा रहा था। शुक्रवार देर रात वह जंगीपुर थाना क्षेत्र के कटैला पुल के पास पहुंचा था। इसी दौरान उसकी डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डीसीएम का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया। हादसे के बाद आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जंगीपुर पुलिस मौके पर पहुंची। चालक को बाहर निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे डीसीएम से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल अमरेश को पुलिस अपने वाहन से गाजीपुर मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मर्चरी हाउस भेज दिया गया। जंगीपुर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि अमरेश की शादी करीब दो वर्ष पहले निशा से हुई थी। एक माह पहले ही उसके घर बेटे का जन्म हुआ था। परिवार में नवजात के आने से खुशियों का माहौल था। अमरेश पांच भाइयों में सबसे छोटा था और डीसीएम चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में एक माह पहले बेटे के जन्म की खुशियां मनाई गई थीं, वहां अचानक मातम छा गया। पत्नी निशा और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हटिया में फिर बेसमेंट की खोदाई बनी जानलेवा, मिट्टी में दबकर मजदूर की मौत

एजेंसी

कानपुर पहले भी खोदाई के दौरान जुड़ी इमारत भरभराकर गिरी थी। पांच-छह लोग घायल हुए थे। घनी आबादी में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठे। हटिया बाजार में बेसमेंट की खोदाई के दौरान शुक्रवार देर शाम मिट्टी ढहने से मजदूर अनिल कुमार अग्रहरी (36) की दबकर मौत हो गई। गोपी बर्तन वाले के पास घनी आबादी के बीच चल रही खोदाई के दौरान हुए हादसे से अफरातफरी मच गई। साथी मजदूरों और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत कर उन्हें मिट्टी से बाहर निकाला और उर्सला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।हटिया क्षेत्र में बेसमेंट की खोदाई के दौरान यह पहला हादसा नहीं है। इससे पहले भी खोदाई के चलते पास की जुड़ी हुई इमारत का कुछ हिस्सा भरभराकर गिर गया था। उसकी चपेट में आकर पांच से छह लोग बुरी तरह घायल हुए थे। लगातार हो रहे ऐसे हादसों के बावजूद घनी आबादी में खोदाई के दौरान सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अनिल मूलरूप से सुल्तानपुर जिले के लंभुआ थाना क्षेत्र के डकाही गांव के रहने वाले थे। वह पिछले दो साल से शहर में रहकर मजदूरी कर रहे थे। पनकी निवासी ससुर कृष्णा गुप्ता और साले अरविंद ने बताया कि अनिल की पत्नी रूबी और दो बच्चे पल्लवी व कृष्णा हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार देर शाम गोपी बर्तन वाले के पास बेसमेंट की खोदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी ढह गई और अनिल उसके नीचे दब गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए मौके पर मौजूद मजदूरों ने आसपास के लोगों की मदद ली।



पैन पैसिफिक ओपन के फाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडेज

टोक्यो। पैन पैसिफिक ओपन 2026 में कनाडा की स्टार टेनिस खिलाड़ी लेयला फर्नांडेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डायना श्नाइडर ने मिया पोहांकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।कनाडा की लेयला फर्नांडेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला एक घंटे 54 मिनट तक चला। फर्नांडेज को दोनों सेटों में शुरुआती समय में ब्रेक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेयला फर्नांडेज के लिए यह साल का तीसरा ड्ब्ल्यू फाइनल होगा। एशियाई दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने सितंबर में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था, जहां उन्होंने तालिया गिब्सन को हराया था। हालांकि, पिछले सप्ताह निंगबो ओपन के फाइनल में उन्हें एलेना रिबाकिना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

डायना श्नाइडर ने भी फाइनल में बनाई जगह

दूसरे सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 18 वर्षीय मिया पोहांकोवा को 6-4, 7-6 (7) से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 46 मिनट तक चला। श्नाइडर ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी की और 6-4 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में उन्हें टाईब्रेक के दौरान सेट प्वाइंट भी बचाना पड़ा।दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पोहांकोवा ने सेट जीतने का मौका बनाया, लेकिन श्नाइडर ने शानदार खेल दिखाते हुए सेट प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक 9-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ श्नाइडर ने सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को हरा दिया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।' युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेसः भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

मोंग कोक। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा।भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान क्रुणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे...नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इंजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैंस उम्मीद कर रहे थे।'

चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां इस मैच में भी उजागर हुईं।

पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।

उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच में दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां सेंसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गजब की वापसी करते हुए निचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और सेंसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और फेड के

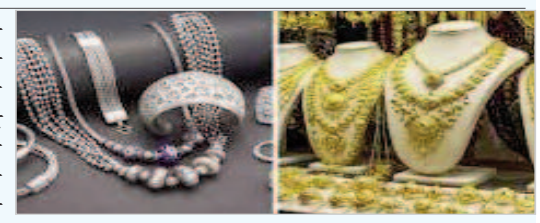


फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण गैप-डाउन ओपनिंग हुई। हालांकि, दिन के अंत तक बाजार ने अपनी अधिकांश गिरावट को कम कर दिया और लगभग सपाट बंद हुआ। बुधवार को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में नुकसान के साथ-साथ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले का इंतजार बाजार पर हावी रहा। सेंसेक्स 352 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक टूटकर बंद हुए।

सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

- सोना 1.42 लाख, चांदी 1.85 लाख के पर

नई दिल्ली ।



भारतीय सर्राफा बाजार में शे निवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों को खरीदारी का एक सुनहरा अवसर मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जारी तेज बिकवाली का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखा। चांदी लगभग 11 महीने के अपने सबसे निचले स्तर 1,85,504 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट केवल आज की नहीं है, बल्कि शुक्रवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, जबकि सोना 1,300 रुपये की कमी के साथ 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक महंगाई की चिंताएं और अमेरिका में ब्याज दरों पर सख्त रुख की आशंका इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। डॉलर की मजबूती और निवेशकों की रणनीति भी कीमती धातुओं पर दबाव डाल रही है। हालांकि, खरीदारों को सलाह दी जाती है कि आभूषणों की कुल लागत में मेकिंग चार्ज और जीएसटी भी जुड़ते हैं।

पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

छह नवंबर से होगा व्यावसायिक इस्तेमाल

नई दिल्ली ।



पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथ्रानिलिक डायमाइड वर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनतेरस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान

भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर?

नई दिल्ली ।

दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।

चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 3। 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

चीन की गिरावट के आर्थिक कारण

चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ृढ्ढ) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख कारण माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है, कंपनियों का उत्पादन और निर्यात बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग तथा वास्तविक मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। तकनीकी कंपनियों में भारी निवेश के बावजूद भविष्य में उससे कितना लाभ होगा, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली चिंता का विषय

भारत के शेयर बाजार मे सबसे बड़ी चुनौती विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नक्कह्लद्ध) की लगातार बिकवाली है। विदेशी मुद्रा भंडार भी चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के पहले 25 दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। वर्ष 2026 में कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है । सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत

भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में सेंसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से 10 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में गुरुवार को एक एंबुलेंस के अंदर ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। हादसा थारपारकर जिले के नगरपारकर इलाके में हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, एंबुलेंस दानो धंधल स्थित एक बुनियादी स्वास्थ्य केंद्र से महिला को जिला अस्पताल मीठी ले जा रही थी। प्रसव के बाद जटिलताएं होने के कारण महिला को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाना था। थारपारकर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आरिफ अजीज जाफरी ने बताया कि अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें संबंधित महिला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस के अंदर चालक द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर को इधर-उधर करते समय उसमें विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और आगे की जांच चल रही है। इससे पहले, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के राजनपुर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कराची से डेरा गाजी खान जा रही एक यात्री बस निर्माण कार्य वाले राजमार्ग पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बस की रफ्तार तेज होने की आशंका जताई, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

बोस्निया में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा: यूरोपीय संघ के शांति मिशन के चार कर्मियों की मौत, 11 घायल; जांच शुरू

साराजेवो, एजेंसी। बोस्निया-हर्जेगोविना के उत्तरी इलाके में यूरोपीय संघ के शांति मिशन (ईयूफोर) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार चार कर्मियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। ईयूफोर ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। हादसा ब्रचको शहर के आसपास हुआ। इटली का सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार पोर्टल क्विक्स ने घटनास्थल की तस्वीरें प्रकाशित की हैं, जिनमें हेलीकॉप्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में एक मैदान में पड़ा दिखाई दे रहा है। ईयूफोर ने बताया कि दुर्घटना की गहन और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में साझा की जाएगी। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। आसपास की नागरिक संपत्ति, इमारतों और वाहनों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

यमन के हूतियों ने सऊदी अरब के तेल, हवाई अड्डों और सैन्य ठिकानों पर किया हमला

सना, एजेंसी। यमन के हूती ग्रुप ने सऊदी अरब पर हमले का दावा किया है। हूती ने कहा कि उसने सऊदी अरब में तेल सुविधाओं, हवाई अड्डों और एक सैन्य ठिकाने पर छह मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती ग्रुप के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हूति-संचालित 'अल-मसीराह टीवी' पर प्रसारित एक बयान में कहा कि तीन बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित 'रास तानूरा रिफाइनरी' और 'अब्काइक' में सऊदी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, देश के लाल सागर तट पर स्थित 'राबिग रिफाइनरी' को भी निशाना बनाया गया। सरिया ने बताया कि दो अन्य ऑपरेशन्स में सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित 'किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर मिसाइलों से, और पूर्वी प्रांत के दम्मम में स्थित 'किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर ड्रोन से हमला किया गया। हूती के सैन्य प्रवक्ता ने दावा किया कि इस हमले के कारण हवाई यातायात बाधित हुआ। याह्या सरिया ने यह भी बताया कि हूती ग्रुप ने दक्षिणी सीमावर्ती क्षेत्र नजरां स्थित सऊदी सैन्य बलों के 'कमांड सेंटर' को भी निशाना बनाया है। उन्होंने दावा किया कि इस हमले में कई सैनिक और अधिकारी हताहत हुए हैं। इसके अलावा, सरिया ने कहा कि ये हमले यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्रों पर सऊदी अरब की ओर से हाल ही में किए गए हमलों के जवाब में किए गए हैं।

विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत निर्माण से होकर गुजरता है

-अमित शाह ने सरदार पटेल की जयंती पर दोहराया नशामुक्त भारत का लक्ष्य

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर देश को 31 दिसंबर 2029 तक पूरी तरह नशामुक्त बनाने का लक्ष्य फिर दोहराया। उन्होंने देशवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की और कहा कि पीएम मोदी की विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत के निर्माण से होकर गुजरता है। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश को नशे से पूरी तरह मुक्त करना युवाओं के भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए बेहद जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाह ने दावा किया कि इस साल 31 मार्च तक देश नक्सलवाद के साये से पूरी तरह बाहर निकल चुका है और अब नशामुक्त राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के कार्यकाल में लिए गए कई बड़े फैसलों और हासिल की गई उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब भारत आजाद हुआ था, तब दुनिया के कई राजनीतिक विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि देश बिखर जाएगा, लेकिन आजादी के बाद के मात्र 1,218 दिनों में सरदार पटेल ने वह काम कर दिखाया, जिसे दुनिया असंभव मान रही थी।

शाह ने कहा कि जिस काम को नेताओं का एक समूह मिलकर भी शायद पूरी जिंदगी में नहीं कर पाता, उसे सरदार पटेल ने पूरा कर दिखाया। उन्होंने भारत को एकजुट करने का ऐतिहासिक काम किया और रियासतों का विलय कर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। सरदार पटेल ने जिस भारत की कल्पना की थी और जिसे एकजुट किया, वही देश आज पूरी दुनिया के सामने गर्व के साथ खड़ा है। गृह मंत्री ने देश के युवाओं को नशे से बचाकर उनके बेहतर भविष्य के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।



कांग्रेस की रैली का विरोध कर रहे व्यापारियों ने की राहुल से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली के ठीक पहले दिल्ली के व्यापारियों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब आगामी 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की एक बड़ी रैली का ऐलान हुआ। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी से इस रैली को स्थगित करने की पुरजोर अपील की है। सीटीआई ने अपने संदेश में कहा कि राहुल गांधी अक्सर नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाने की बात करते हैं, लेकिन व्यापारियों की अपनी दुकानें भी ग्राहकों के साथ आपसी विश्वास और प्यार के आधार पर ही चलती हैं। इसलिए त्योहारों के इस पीक सीजन में व्यापारियों की रोजी-रोटी और व्यापार इस रैली की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। संगठन के चेयरमैन ने कहा कि चांदनी चौक की परांठे वाली दुकान, खारी बावली के मसाले, सदर बाजार की चूड़ी-बिंदी, चांदनी चौक का लहंगा, दरियागंज का एसी, चावड़ी बाजार की सामग्री और करोल बाग की मशहूर कुल्फी जैसी सैकड़ों पुरानी और प्रसिद्ध दुकानें असल में जनता के लिए मोहब्बत की ही दुकानें हैं, जिन पर हर दुकान के माध्यम से दर्जनों परिवारों का गुजारा होता है। व्यापारी संगठनों ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 बड़े थोक बाजारों में विरोध स्वरूप पोस्टर लगाने का ऐलान किया है। संगठन का तर्क है कि धनतेरस से ठीक चार दिन पहले होने वाली इस रैली में भारी भीड़ और हजारों गाड़ियों के आने से पूरी दिल्ली में भयंकर जाम की स्थिति पैदा हो जाएगी। इससे रामलीला मैदान के आसपास के इन प्रमुख बाजारों में ताले लटकने की नौबत आ जाएगी। व्यापारियों ने चिंता जताई है कि यदि इस व्यस्त त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई और बाजार बंद हुए, तो इससे लगभग 20 लाख व्यापारियों का हजारों करोड़ रुपये का दिवाली व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा।

रामलीला मैदान में होने वाली रैली से पहले रिजिजू ने पूछे कांग्रेस से सवाल

- सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उससे सवाल पूछे हैं। उन्होंने कांग्रेस को इन सवालों का जवाब देने की चुनौती भी दी है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कांग्रेस को बुनियादी सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को महज 44 सीटें कैसे मिलीं, जबकि उस समय चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उसकी ही सरकार ने की थी?



उनका दूसरा सवाल था कि 2024 में जब ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे, तब कांग्रेस को लगातार तीसरी बार चुनाव में हार का सामना कैसे करना पड़ा? उन्होंने सवाल किया, क्या कांग्रेस के मौजूदा मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे और 2014 से 2026 के बीच सरकारें बनाने के लिए माफी मांगेंगे?

रिजिजू ने अगले सवाल में मतदाता सूची से अवैध प्रवासियों, मृत व्यक्तियों, दूसरी जगह चले गए लोगों और दोहरे नामों को हटाने के मुद्दे पर कांग्रेस का रुख पूछा। अंत में रिजिजू का सवाल था, क्या 1952-56, 1958-61, 1965-66, 1983-84, 1987-88, 1993, 1995 और 2002-2004 के दौरान किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भी अवैध थे? इसी के साथ ही रिजिजू ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, एक परिवार की पार्टी बाहरी ताकतों के साथ मिलकर संविधान और भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

1 नवंबर की दिल्ली रैली में शामिल नहीं होगी आम आदमी पार्टी

-सांसद संजय सिंह ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी । आम आदमी पार्टी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने घोषणा की है कि पार्टी इस रैली में शामिल नहीं होगी, क्योंकि वह पहले ही साफ कर चुकी है कि वह इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। इस बयान के साथ आप ने इंडिया गठबंधन की एकजुटता के दावों के बीच अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने का संकेत दिया है। हालांकि, संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर देशभर में 13 करोड़ 37 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिसे उन्होंने वोट चोरी का एक



सुनियोजित प्रयास बताया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रद्द करने की अपनी मांग को दोहराया। संजय सिंह ने कहा कि यदि लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी तार्किक विसंगतियों के नाम पर मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए गए हैं, तो पश्चिम बंगाल में हुआ हालिया चुनाव अवैध है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।

उन्होंने दिल्ली का उदाहरण देते हुए दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के विधानसभा क्षेत्र में ही मतदाता सूची से 40 हजार नाम हटाए गए हैं। इस आधार पर उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को भी रद्द करने की मांग की। संजय सिंह ने बिहार, हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत उन सभी राज्यों में नए सिरे से चुनाव कराए जाने की मांग की, जहां इस तरह की अनियमितताएं हुई हैं। उनकी यह मांग लोकसभा और विधानसभा, दोनों चुनावों पर लागू होती है। उनका कहना है कि जिन चुनावों में ऐसी गड़बड़ियां हुई, उन्हें रद्द कर दोबारा कराया जाना चाहिए ताकि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे और जनता का लोकतंत्र में विश्वास बना रहे।

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट फेरबदल से विधायकों की नाराजगी आई सामने

- फारूक और उमर अब्दुल्ला को ज्ञापन सौंपेंगे चार विधायक, पार्टी नहीं छोड़ने पर सहमति

जम्मू, एजेंसी । जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के भीतर असंतोष की खबरें सामने आई हैं। पार्टी के कम से कम 18 विधायकों ने श्रीनगर में लोलाब के विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर एक बैठक की। 27 अक्टूबर को हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद हुई इस बैठक को पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी के सामने आने से जोड़कर देखा जा रहा है।

मंत्रिमंडल विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के चार विधायकों अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्ला, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कालू को मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था, जबकि निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को बाहर कर दिया गया। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ विधायक ने इसे केवल दोस्ताना लंच बताया और किसी राजनीतिक महत्व से इनकार किया।

हालांकि, सूत्रों के मुताबिक विधायकों ने कैबिनेट व्यवस्था और पार्टी के संगठनात्मक कामकाज को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। साथ ही सर्वसम्मति से तय किया गया कि कोई भी विधायक पार्टी नहीं छोड़ेगा और न ही पार्टी तोड़ने की कोशिश करेगा।

चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा ज्ञापन

सूत्रों के अनुसार, विधायकों ने नजीर अहमद के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया है। यह प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को ज्ञापन सौंपेगा। इसमें कैबिनेट व्यवस्था में बदलाव और दो साल से अधिक समय से मंत्री पद पर बने नेताओं को हटाने की मांग शामिल हो सकती है।

सीएम सलाहकार पर भी उठे सवाल

विधायकों ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नासिर सोगमी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठनात्मक मामलों में हस्तक्षेप करने के आरोप लगाए गए हैं। विधायक उनके इस्तीफे, बिना शर्त माफी और पद से हटाने की मांग कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात और नेतृत्व की प्रतिक्रिया के बाद ही विधायक आगे की रणनीति तय करेंगे।



पश्चिम एशिया: होर्मुज में बढ़ रहा है समुद्री खतरा? टैंकर पर हमले के बाद अलर्ट, ब्रिटिश एजेंसी ने दी जानकारी

खासाब, ओमान , एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर एक छोटी नाव के जरिए हमला किया गया। नाव से टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए गए, जिससे इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह घटना गुरुवार को लगभग 2212 यूटीसी पर, ओमान के खासाब से लगभग 25 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में हुई। शुक्रवार को जारी एक अपडेट में, यूकेएमटीओ ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। यूकेएमटीओ ने कहा, 'रिपोर्ट से पता चलता है कि एक छोटी नाव टैंकर के



बाईं ओर (पोर्ट साइड) आई और उसने पानी की सतह के ऊपर टैंकर के ढांचे पर दो विस्फोटक उपकरण लगा दिए।' इसमें आगे बताया गया कि इसके बाद हुए विस्फोटों से इंजन रूम में आग लग गई, जिससे जहाज कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया। समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा, 'अब आग बुझ चुकी है और जहाज अपने अगले गंतव्य बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।' शुरुआत में यूकेएमटीओ को एक रिपोर्ट मिली थी कि बाहर जा रहे एक टैंकर में आग लग गई है।

उस समय घटना के कारण, चालक दल की स्थिति, नुकसान के आकलन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ताजा अपडेट के बाद, यूकेएमटीओ ने इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी है। एजेंसी ने कहा, 'जब तक अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं, तब तक जहाजों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से आगे बढ़ें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना यूकेएमटीओ को दें।' यह घटना ऐसे समय में हुई है जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले समुद्री यातायात को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। ईरानी सैन्य अधिकारियों ने इस जलमार्ग पर अपना नियंत्रण जताते हुए व्यावसायिक जहाजों को उन क्षेत्रों से न गुजरने की चेतावनी दी है, जिन्हें वे प्रतिबंधित और असुरक्षित मानते हैं। ईरान की नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के माध्यम से एक बयान जारी कर दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में एक प्रतिबंधित क्षेत्र से गुजर रहे एक टैंकर में, एक नौसैनिक खदान (नेवल माइन) से टकराने के बाद आग लग गई। बयान में कहा गया है।

अटलांटा पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिका ने समुद्री मार्गों, ऊर्जा और सप्लाई चेन पर दिया जोर

अटलांटा , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को जी20 विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए अटलांटा पहुंचे। अमेरिका के अनुसार, इस बैठक में एनर्जी, सप्लाई चेन और समुद्री रास्तों को खुला रखने पर फोकस रहेगा। ये ऐसे मुद्दे हैं, जो भारत के तेल, एलएनजी और उर्वरक आयात के लिए बेहद अहम हैं। वे इस बैठक के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। बैठक से पहले अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'जरूरी संकटों से निपटने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बिना किसी खतरे या टोल के व्यापार के लिए खुला रखने का साझा संकल्प है। यह एनर्जी संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उतना ही उर्वरक और भोजन के लिए भी महत्वपूर्ण है। '

यह बैठक विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में हो रही है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हो रहे व्यवधान के कारण भारत के लिए एनर्जी सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'एनर्जी दुनिया भर में आर्थिक विकास की बुनियाद है और इसकी पहुंच सस्ती और भरपूर होनी चाहिए। अधिकारी ने कहा, 'क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन एनर्जी सुरक्षा और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग के लिए बेहद जरूरी है और अन्य सप्लाई चेन भी आवश्यक हैं, खासकर उर्वरक,



एलएनजी, तेल और मैन्युफैक्चरिंग के लिए अन्य कच्चे माल के लिए।' अधिकारी ने कहा, 'अटलांटा में बातचीत एनर्जी और सप्लाई चेन चुनौतियों पर चर्चा करने और आर्थिक सुरक्षा पर भू-राजनीतिक तनाव के प्रभाव से निपटने के तरीकों की पहचान करने का अवसर प्रदान करेगी। ' नई दिल्ली में बुधवार को इस दौरे की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, 'विदेश मंत्री 30 से 31 अक्टूबर तक अटलांटा में होने वाली जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के दौरान, वे क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे और अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ' ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि वह इस साल की तीसरी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अमेरिका, भारत और जापान के समकक्षों से मिलेंगी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ईयू के नेतृत्व वाले 'नो फीस / नो टोल्स' संकल्प में शामिल हो गया है, जो गैरकानूनी फीस और टोल का विरोध करता है।

रूस ने अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ क्यूबा का किया समर्थन

मॉस्को , एजेंसी। अमेरिका प्रतिबंधों के खिलाफ रूस ने क्यूबा का समर्थन किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह क्यूबा पर लगे अमेरिकी आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को हटाने की कोशिश में अपना समर्थन देना जारी रखेगा। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें इन प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 130 वोट पड़े, 17 वोट इसके खिलाफ थे, जबकि 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मंत्रालय ने बताया कि रूस ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही कहा कि वोट के नतीजों ने यह साबित किया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हवाना (क्यूबा) के खिलाफ लगाए गए इन अवैध और अमानवीय प्रतिबंधों की लगभग सर्वसम्मति से और दृढ़तापूर्वक निंदा की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि इस साल क्यूबा पर आर्थिक और सैन्य दबाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। इसके साथ ही एनर्जी ब्लॉकेड ने आम नागरिकों को अस्तित्व बचाने के संकट के कगार पर ला खड़ा किया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर क्यूबा में सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह ढह



जाती है, तो वहां से बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी देशों की ओर पलायन कर सकते हैं, जिससे क्षेत्र में एक बड़ा प्रवासन संकट पैदा हो सकता है। वहीं, रूस ने अपने देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा कर रही क्यूबा की सरकार और वहां के लोगों के साहस की प्रशंसा की। रूस ने कहा कि भारी अमेरिकी दबाव के बावजूद, हवाना अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है। मंत्रालय ने कहा कि इस मुद्दे पर मॉस्को का सैद्धांतिक रुख पहले जैसा ही है। उसने क्यूबा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने का वादा किया, ताकि इस द्वीप देश पर लगे प्रतिबंधों को जल्द से जल्द, पूरी तरह से और बिना किसी शर्त के हटाया जा सके। इस बीच, भारत ने बुधवार को एक बार फिर उन कानूनों को खारिज कर दिया जो दूसरे देशों की संप्रभुता पर बुरा असर डालते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन की काउंसलर सौम्या नायर ने कहा कि नई दिल्ली महासभा की उस अपील का समर्थन करती है, जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे 'ऐसे कानूनों और नियमों को खारिज करें, जिनका असर देश की सीमाओं के बाहर तक होता है क्यूबा के खिलाफ आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान से पहले बोलते हुए उन्होंने कहा, 'भारत, असेंबली की उस अपील को दोहराता है जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे ऐसे कानूनों और उपायों को लागू करने से बचें, और संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप, ऐसे कानूनों और उपायों को रद्द करें और अमान्य घोषित करें।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com